RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 116 , मंगलवार, 09 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

साइबर अपराध व महिला सुरक्षा पर जागरूक हुए छात्र-छात्राएं, राधाकृष्ण सिकरिया बी.एड.... 03

पत्रकारों के अधिकारों की लड़ाई को मिला नया स्वर 04

अभिनेत्री अमृता राव ने सादगी और अभिनय से जीता दर्शकों का दिल 07

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं

- 32 की मौत,4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं, 2 घंटे में 138 झटके आए

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अब तक 32 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5.07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही।

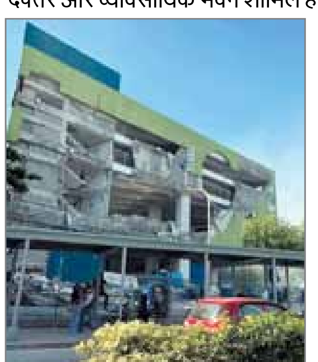

हम बीजेपी के गुलाम नहीं 50 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

- शाहजहांपुर में बोले करणी सेना अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू

शाहजहांपुर (एजेंसी)। शाहजहांपुर में करणी सेना के अध्यक्ष सूरजपाल सिंह अम्मू ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। उन्होंने कहा है कि हम बीजेपी के गुलाम नहीं है। करणी सेना के अध्यक्ष सूरजपाल सिंह अम्मू ने कहा कि हम माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सम्मान करते हैं, लेकिन हम भाजपा के गुलाम नहीं हैं। हां, हम 50 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। हम संगठन को मजबूत कर रहे हैं। क्यों न लड़ें? जब राजभर जैसे व्यक्ति को आप मंत्री बना देते हो, अपना दल, सपना दल टाइप के लोगों को आप सीटें दे देते हो। क्यों भैया हमारे साथ ये बनिया, ब्राह्मण, क्षत्रिय बिरादरी खड़ी हैं, ये सोनिया मिश्रा खड़ी हैं, मोहित अग्रवाल खड़ा है, और भी कई जातियों के लोग खड़े हैं। क्यों हम लोग चुनाव नहीं लड़ सकते क्या।

अब सत्ता में भागीदारी चाहती है करणी सेना- करणी सेना अब उत्तर प्रदेश की सत्ता में भागीदारी चाहती है। करणी सेना मुख्य रूप से क्षत्रिय और सवर्ण समुदाय के अधिकारों, सांस्कृतिक संरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए काम करने वाला सामाजिक-राजनीतिक संगठन है। हालांकि अब यह संगठन राजनीति में आने लगे की तैयारी कर रहा है। करणी सेना के अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अम्मू ने अपने संगठन की अपेक्षा साफ-साफ जाहिर कर दी है। करणी सेना के अध्यक्ष शाहजहांपुर में आयोजित करणी सेना के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए थे।

सबसे ऊंचाई पर बन रहा 'जोजिला' बनेगा गौरव का क्षण

- *बड़ी उपलब्धि,अब हिमालय भी नहीं रोक पाएगा भारत का रास्ता!*

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब हिमालय पर्वत भी भारत का रास्ता नहीं रोक पाएगा। कल यानी मंगलवार, 9 जून का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक होने वाला है। मंगलवार को सालों की कड़ी मेहनत और कई तरह की चुनौतियों से निपटने के बाद जोजिला टनल के ब्रेकथ्रू यानी आर-पार खुदाई का काम पूरा होने जा रहा है। इसके साथ ही इस अहम प्रोजेक्ट के माइनिंग और खुदाई का चरण पूरा हो जाएगा, जो पूरे देश के लिए एक गौरव का क्षण होगा। गौरतलब है कि 13 किलोमीटर से अधिक लंबी यह सुरंग पूरी होने के बाद कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी। टनल की मदद से कश्मीर से लद्दाख तक साल भर पहुंचना संभव हो जाएगा। इससे पहले भारी बर्फबारी, हिमस्खलन और खराब मौसम के कारण हर साल लद्दाख लंबे समय तक देश के बाकी हिस्सों से कट जाता था।

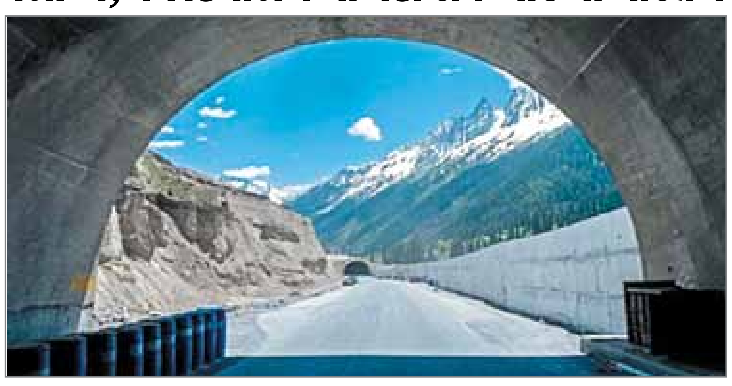

भारत के इंजीनियरिंग चमत्कार का है एक नमूना

जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग के पास बालटाल से शुरू होकर लद्दाख के द्रास सेक्टर के मीनामर्ग तक जाने वाली यह 13.153 किलोमीटर लंबी टनल भारत के इंजीनियरिंग चमत्कार का एक नमूना भी है। अधिकारियों ने बताया है सुरंग के कश्मीर और लद्दाख दोनों तरफ से काम कर रहे इंजीनियर और श्रमिक 9 जून को सुरंग में एक-दूसरे से मिलेंगे। इसके बाद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को प्रोजेक्ट के अंतिम ब्रेकथ्रू ब्लास्ट का शुभारंभ करेंगे।

बेहद अहम है जोजिला टनल

जोजिला टनल सेना के लिए वरदान से कम नहीं है। लद्दाख और देश की उत्तरी सीमा पर तैनात भारतीय सेना के लिए यह कॉरिडोर बेहद संवेदनशील और रणनीतिक है। इस टनल के शुभारंभ के बाद सैनिकों को राशन, गोला-बारूद और मूवमेंट के लिए मौसम के साफ होने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा इसकी मदद से लद्दाख में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं सर्दियों में जरूरी चीजों की सप्लाई बनी रहेगी जिससे स्थानीय लोगों के लिए नए अवसर खुलेंगे। प्रोजेक्ट के 2028 तक पूरा होने का लक्ष्य रखा गया है।

सालों की मेहनत का परिणाम

इस अहम प्रोजेक्ट को मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा तैयार किया जा रहा है। परियोजना की नींव 1 अक्टूबर 2020 को रखी गई थी। 14 अक्टूबर 2020 को निलग्रार सुरंग में पहली ब्लास्टिंग की गई थी। तब से ब्रेकथ्रू पूरा होने तक में कई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 20 से माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। साल में करीब 100 दिन इंजीनियरों और मजदूरों ने शून्य से नीचे के तापमान में काम किया। वहीं पिछले 5 सालों में इस साइट पे 5 बड़े हिमस्खलन भी आए। 12 जनवरी 2023 को सरबल इलाके में आए भूस्खलन के बाद भारतीय सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 172 कर्मचारियों की जान बचाई थी। इसके बाद फरवरी 2024 और मार्च 2025 में भी भूस्खलन की वजह से नुकसान हुआ। हालांकि इसका निर्माण जारी रहा। एक और खास बात यह भी है कि 80 फीसदी कर्मचारी स्थानीय लोग हैं।

बंगाल के बाद अब 'दिल्ली' में भी खेला

- दीदी की टीएमसी में बड़ी टूट,बागी हुए 20 सांसद
- लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर मांग ली मान्यता

काकोली घोष दस्तीदार होंगी बागी गुट की नई नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस में तीखी उथल-पुथल मच गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने सोमवार को अचानक पार्टी की प्राथमिक सदस्यता तथा राज्यसभा सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया। इस अप्रत्याशित कदम ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को नया मोड़ दे दिया है। इस्तीफे के तुरंत बाद दिल्ली में टीएमसी के करीब 14 बागी लोकसभा सांसदों ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की। इस अहम सियासी बैठक के बाद दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के कयासों का बाजार गर्म हो गया है। अब खबर है कि तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसद अब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के समक्ष एक नई मांग लेकर पहुंचे हैं। टीएमसी सांसदों के एक समूह ने स्पीकर को पत्र लिखकर अपनी पार्टी को अलग संसदीय दल (ब्लॉक) का दर्जा देने और इसके अनुरूप अलग-अलग सीटों का आवंटन करने की मांग की है। साथ ही एनडीए में शामिल होने की इच्छा भी जाहिर की है।

सुखेन्दु शेखर रॉय का इस्तीफा, छोड़ी टीएमसी

दूसरी ओर सुखेन्दु शेखर रॉय के सांसद पद और पार्टी सदस्यता, दोनों से इस्तीफे के तुरंत बाद एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें कम से कम पांच टीएमसी सांसद उनके साथ दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि उस बैठक में शर्मिला सरकार (बर्धमान पूर्व), प्रसून बनर्जी (हावड़ा) जगदीश बसुनिया (कूचबिहार), कालिपद सोरेन (झारग्राम) और अरूप चक्रवर्ती (बांकुरा) थे। यहां आपको बता दें कि सुखेंदु शेखर रॉय पिछले एक दशक से ज्यादा समय से राज्यसभा में टीएमसी के प्रमुख चेहरे रहे हैं। बता दें कि यह नया घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल के विधायक दल के विद्रोह के महज कुछ दिन बाद आया है। हाल ही में 58 तृणमूल विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत करते हुए विपक्ष के नेता पद के लिए ऋतब्रत का समर्थन किया।

सुखेंदु का दावा-टीएमसी के लोग से ममता से नाराज

टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। सुखेंदु शेखर की राज्यसभा सीट पश्चिम बंगाल से है और उनका कार्यकाल 2029 तक था। सीट खाली हो चुकी है, अब इस पर उपचुनाव कराया जा सकता है।

एचडी देवगौड़ा की सीट से नागराज जाएंगे राज्यसभा

- अंतिम समय में बीजेपी ने कर दिया बड़ा खेला

बेंगलुरु (एजेंसी)। राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए नामांकन प्रक्रिया खत्म होते ही पूर्व पीएम एच डी देवेगौड़ा के संसदीय जीवन का अंत हो गया है। बीजेपी ने सोमवार को कर्नाटक से एम. नागराज को राज्यसभा कैंडीडेट बनाया। उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया। अभी तक इस सीट से एच डी देवेगौड़ा राज्यसभा में थे। वह उच्च सदन में पीएम नरेंद्र मोदी की खूब तारीफ करने के लिए सुर्खियों में आए थे। जनता दल सेक्युलर को उम्मीद थी कि पूर्व पीएम देवेगौड़ा को एक और मौका मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। प्रोफेसर (डॉ.) एम. नागराज हुबली-धारवाड़ से आते हैं। वह बीजेपी के वरिष्ठ नेता हैं। प्रोफेसर एम. नागराज का शिक्षा, प्रशासन और राजनीति में मजबूत बैकग्राउंड है। बीजेपी में शामिल होने से पहले वह एबीवीपी और आरएसएस में सक्रिय थे।

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में हादसा, 8 मजदूरों की मौत

- 1600 सेंटीग्रेट पर पिघला गर्म लोहा क्रेन से ले जा रहे थे, बैलेंस बिगड़ने से उन पर ही गिरा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में करीब 1600 सेंटीग्रेट तापमान वाला पिघला हुआ लोहा (मोल्टन आयरन) मजदूरों पर गिर गया। हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्लांट में क्रेन की मदद से एक बड़े बकेट में पिघला हुआ लोहा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बकेट का संतुलन बिगड़ गया और उसमें भरा गर्म लोहा नीचे काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया। हादसा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के स्टील प्लांट में हुआ। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सीबीएसई-नीट गड़बड़ी पर शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा:खरगे

- कांग्रेस अध्यक्ष बोले-देश के युवाओं के साथ हुआ है धोखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की 2 साल बाद हुई 7वीं बैठक में सोमवार को 25 दलों के नेता शामिल हुए। दिल्ली में हुई इस बैठक में उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ऑनलाइन जुड़े, जबकि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले, कपिल सिब्बल समेत कई शामिल हुए। मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 2 घंटे से ज्यादा चली बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी है। नीट में देश के युवाओं के साथ धोखा हुआ है। नीट और सीबीएसई की गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री जिम्मेदार हैं, वह तुरंत इस्तीफा दें।

- **सोनिया और ममता ने एक दूसरे को लगाया गले-** सोनिया गांधी और ममता बनर्जी ने बैठक के शुरू होने पर मिलते ही एक दूसरे को गले लगाया और एक दूसरे का हाल चाल जाना। वहीं, इस बैठक में सभी नेताओं ने अपनी-अपनी बातें रखीं। इंडिया ब्लॉक की बैठक में स्टालिन की डीएमके, अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और थलपति विजय की पार्टी टीवीके इसमें शामिल नहीं हुई है। हालांकि, तीनों ने इस बैठक में शामिल नहीं होने की वजह पहले ही बता दी थी।

भारत-पाकिस्तान तेजी से बना रहे खतरनाक मिसाइलें

- परमाणु हमला करने भी होंगी सक्षम,ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदली रणनीति

इस्लामाबाद/नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) ने एक रिपोर्ट जारी किया है जिसमें कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान तेजी से न्यूक्लियर डिलीवरी सिस्टम बना रहे हैं। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान 2025 में भी नए तरह के परमाणु हथियार डिलीवरी सिस्टम विकसित करते रहे और बैलिस्टिक मिसाइलों पर कई वॉरहेड तैनात करने की क्षमता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस बीच भारत और चीन ने अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाई है और 'कभी-कभी' वॉरहेड्स को हाई ऑपरेशनल अलर्ट पर तैनात करना शुरू कर दिया हो सकता है। सिप्री रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 190 परमाणु हथियार हो गये हैं जबकि पिछले वर्ष ये आंकड़ा 180 का था। जबकि पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार थे और इस एक साल में उसके परमाणु हथियारों की संख्या में इजाफा नहीं हुआ है। हथियारों, निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की स्थिति पर अपनी सालाना रिपोर्ट में सिप्री ने कहा कि चीन के पास अब 620 वॉरहेड हैं जबकि एक साल पहले यह संख्या 600 थी।

भारत के परमाणु हथियारों पर सिपरी की रिपोर्ट- भारत के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि परमाणु हथियार एक विकसित हो रहे न्यूक्लियर ट्रायड (परमाणु त्रिकोण) को सौंपे गए हैं जिसमें एयरक्राफ्ट, जमीन से मार करने वाली मिसाइलें और परमाणु-संचालित पनडुब्बियां जिन्हें नौसेना की भाषा में एसएसबीएन कहा जाता है शामिल हैं। सिप्री ने कहा कि अतिरिक्त मिसाइलों के लिए और वॉरहेड बनाए जा रहे हैं और भारत ने हाल ही में यह किया है।

आसमान से भारत की जासूसी कर रहा पाकिस्तान

- मात्र 16 महीने में ही लॉन्च कर दिए छह सैटेलाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आतंकी गतिविधियों को जारी रखने के लिए पाकिस्तान एड़ी-चोटी का जोर लगा देता है। इसको लेकर कोई भी शक नहीं है। वहीं भारत पर नजर रखने के लिए पाकिस्तान अब सैटेलाइट्स का इस्तेमाल कर रहा है। द प्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पिछले एक साल में 6 सैटेलाइन लॉन्च किए हैं। इन सैटेलाइट्स को इस तरह से अलाइन किया गया है कि भारत पर नजर रखी जा सके। खास तौर पर उत्तरी भारत या यूं कहें कि जम्मू-कश्मीर की आसमान से रेकी करने के लिए पाकिस्तान पूरा जोर लगा रहे है।

चीन की मदद से भारत पर नजर रखना चाहता है पाकिस्तान- स्पेस टेक्नॉलजी के मामले में पाकिस्तान भारत के मुकाबले कहीं नहीं टिकता है। उसका उद्देश्य भी बहुत संकीर्ण है। एक तरफ भारत चंद्रमा तक की यात्रा कर रहा है तो दूसरी ओर पाकिस्तान सैटेलाइट्स छोड़कर भी केवल जासूसी कर रहा है। वह इस मामले में चीन की मदद लेता है। चीन और पाकिस्तान एक दूसरे के सदाबहार दोस्त होने के नाते भारत के खिलाफ तत्काल एकजुट हो जाते हैं। पाकिस्तान ने पिछले 16 महीने में ही 6 सैटेलाइट लॉन्च कर दिए हैं। इनमें से ज्यादातर सैटेलाइट धरती पर नजर रखने और हाई रेज्यूलूशन इमेजरी के लिए डिजाइन किए गए हैं।

ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर शुरू हो गई जंग

- होर्मुज में जहाज पर हमले में 24 भारतीय फंसे, वीडियो शेयर कर नेवी से मांगी मदद

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान और इजराइल के अप्रैल में हुए सीजफायर के 2 महीने बाद दोबारा जंग शुरू हो गई। ईरान ने रविवार रात इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने कहा कि यह कार्रवाई लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजराइली हमलों के जवाब में की गई है। इसके जवाब में इजराइल ने ईरान के कई सैन्य और रक्षा ठिकानों पर हमला किया। ईरानी समाचार एजेंसी के मुताबिक, तेहरान, तबरीज और इस्फहान में कई विस्फोट हुए। वहीं, आईआरजीसी ने दावा किया कि इजराइल ने इन हमलों में एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट में ओमान तट के पास एक जहाज पर हमले की खबर आई है। भारतीय नाविकों के संगठन फॉरवर्ड सीमैन्स यूनियन ऑफ इंडिया ने दावा किया है कि जहाज पर 24 भारतीय नाविक सवार हैं और उन्होंने तत्काल मदद की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में लापता महिला का आधा जला शव बरामद, ससुराल वालों पर मर्डर का आरोप

हाजीपुर। वैशाली में 3 दिन से लापता महिला का आधा जला शव बरामद किया गया है। घटना जंदाहा थाना क्षेत्र के महिसौर गांव की है। मृतका की पहचान रीता देवी (37) के रूप में हुई। परिजनों ने रीता के ससुराल वालों पर मर्डर कर शव छिपाने का आरोप लगाया है। रीता देवी 5 जून की रात से लापता थीं। आधे जले शव मिलने की सूचना पर घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए। मौके पर पहुंची थाना अध्यक्ष चांदनी सवारियां ने तेज धूप का हवाला देते हुए मृतका के मायके वालों से जल्द शव को उठाने के लिए कहा। उन्होंने परिवार वालों से कहा, "मुझे तेज धूप लग रही है, जल्दी करो" इस बात से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। रीता देवी की शादी साल 2007 में पप्पू राय उर्फ नंद किशोर राय से हुई थी। उनके ससुर उपेंद्र राय जन वितरण प्रणाली के दुकानदार हैं। रीता की भाभी रेखा देवी के अनुसार, पप्पू राय ने किसी विवाद के कारण दूसरी शादी कर ली थी और रीता को अपने साथ नहीं रखना चाहते थे। मायके वालों का आरोप है कि इसी वजह से ससुराल वालों ने 5 जून की रात रीता की हत्या कर शव को गायब कर दिया। 6 जून को रीता देवी के मायके वाले महिसौर गांव पहुंचे, तो उन्हें घर पर कोई नहीं मिला और ससुराल वाले फरार पाए गए। मायके वालों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि महिसौर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भी तत्काल कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। रीता देवी बखरी बराई गांव निवासी जगत राय की बेटी थीं। मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वालों ने उन्हें बताया था कि रीता देवी ने सल्फर जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी और उनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया था। हालांकि, अधजला शव मिलने के बाद यह कहानी संदिग्ध प्रतीत हो रही है। परिजनों के अनुसार, हत्या के बाद शव को घर से लगभग 500 मीटर दूर जलाया गया था। बचे हुए अवशेषों को बोरे में बांधकर 200 मीटर दूर एक गड्ढे में फेंक दिया गया था, जहां से बाद में उन्हें बरामद किया गया।

गंडक नदी में डूबने से युवक की मौत, अंतिम संस्कार के बाद नहाते समय गहरे पानी में गया

हाजीपुर। वैशाली जिले के कौनहारा घाट पर गंडक नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। यह घटना शनिवार को हुई। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के मंसूरपुर रजौली वार्ड नंबर 6 निवासी स्वर्गीय बिंदा चौधरी के पुत्र उमेश चौधरी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, उमेश चौधरी शनिवार शाम को कौनहारा घाट पर एक बुजुर्ग महिला के अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे थे। दाह संस्कार के बाद वे अन्य ग्रामीणों के साथ गंडक नदी में स्नान करने गए थे। स्नान के बाद सभी ग्रामीण अपने-अपने घर लौट गए, लेकिन उमेश चौधरी वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की

और ग्रामीणों, दोस्तों व ससुराल में जानकारी ली, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। रात भर उनकी तलाश जारी रही। रविवार को परिजनों और ग्रामीणों ने दोबारा कौनहारा घाट पहुंचकर स्थानीय लोगों और नाविकों से पूछताछ की। नाविकों ने बताया कि रेत किनारे एक शव पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर शव की पहचान उमेश चौधरी के रूप में हुई। उनके कपड़े और चप्पल भी उसी स्थान पर मिले, जहां उन्होंने स्नान से पहले उतारे थे। पुलिस आशंका जता रही है कि स्नान के दौरान उमेश चौधरी का पैर फिसल गया होगा और वे गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

बुजुर्ग महिला बोलीं-सरकारी रिकॉर्ड में मुझे मृत घोषित किया, पेंशन रुकी, दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र की 75 साल की पवितर देवी का कहना है कि सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया है। जबकि, वह जीवित हैं और अपनी वृद्धावस्था पेंशन के लिए लगातार सरकारी कार्यालयों के चक्कर काट रही हैं। वो पहले बिहार सरकार की मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना की लाभार्थी थीं। पिछले तीन महीनों से उनके बैंक खाते में पेंशन की राशि नहीं पहुंची है। जब उन्होंने इसकी जानकारी लेने के लिए संबंधित विभाग से संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि विभागीय सत्यापन जांच के दौरान उन्हें मृत दर्शाया गया है। इसी 'कागजी मौत' के कारण उनकी पेंशन तत्काल प्रभाव से बंद कर दी गई है। अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए पवितर देवी ने कहा, "मुझे सबने मिलकर कागज पर मार दिया है। सरकारी कर्मियों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि मैं जिंदा हूं। पिछले तीन महीने से वृद्ध पेंशन नहीं मिल रहा है।" उन्होंने बताया कि उनके परिवार में कोई कमाने वाला सदस्य नहीं है। इस उम्र में भी वह दूसरों के घरों में चौका-बर्तन का काम करके अपना जीवन यापन कर रही हैं। सरकारी पेंशन उनके लिए एक बड़ा आर्थिक सहारा थी, जिसके बंद होने से उनके सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है। इस मामले को लेकर मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के. झा ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली और घोर लापरवाही पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने इसे एक बेहद गंभीर और हास्यास्पद मामला बताते हुए कहा कि एक जीवित महिला को सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कर देना प्रशासनिक तंत्र की आंखें मूंदकर काम करने की आदत को दर्शाता है। वकील झा ने बताया कि पवितर देवी कई महीनों तक अपनी फरियाद लेकर अधिकारियों के चक्कर लगाती रहीं, लेकिन किसी ने उनकी सुध नहीं ली। थक-हारकर अब इस मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) और बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग, पटना में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में मांग की गई है किः 1 पवितर देवी की वृद्धजन पेंशन को बिना किसी देरी के जल्द से जल्द बहाल किया जाए। 2 इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों व कर्मियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते डिजिटल डेटा और भौतिक सत्यापन की इन गलती को नहीं सुधारा गया, तो कई अन्य जरूरतमंद और असहाय लोग भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाएंगे। फिलहाल, यह मामला अब तूल पकड़ चुका है और देखना होगा कि जिला प्रशासन कब तक जागता है और पवितर देवी को कागजों पर दोबारा 'जिंदा' कर उनकी पेंशन शुरू करता है।

कार की टक्कर से मजदूर की मौत, रोड क्रॉस करते वक्त हादसा, आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर की आगजनी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में सोमवार को सड़क हादसे में मजदूर की मौत हो गई है। कार ने बुजुर्ग को रौंद डाला। हादसे के बाद लोग आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर आगजनी करने लगे। लोगों के प्रदर्शन के कारण ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई। मृतक की पहचान डुमरी निवासी ज्योधि शाह (60) के रूप में हुई है। बताया जा रहा कि शेनफोर्ड स्कूल के पास ज्योधि रोड क्रॉस कर रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोर की थी कि बुजुर्ग कई फीट दूर जाकर गिरे। घटना माधौल बाइपास स्थित डुमरी इलाके की है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। वृद्ध मजदूर की मौत से नाराज लोगों ने माधौल बाइपास को जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब आधे घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने जाम हटवाया और यातायात को सामान्य कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि दुर्घटना में शामिल कार और उसके चालक की पहचान की जा सके। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषी चालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फायरिंग मामले में खान सर ने दायर की जमानत याचिका

एजेंसी, पटना

फायरिंग मामले में खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सोमवार को अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। कल यानी मंगलवार को इस पर सुनवाई होगी। गोली चलाने वाले दोनों गार्ड्स की बेल के लिए भी आज अप्लाई किया गया है। कोर्ट में गार्ड्स की जमानत को लेकर ज्ञान बिंदु के वकील की ओर से विरोध किया गया। ज्ञान बिंदु के वकील की ओर से कहा गया है कि इरदातन गोली चलवाई गई थी। भीड़ हटाने के लिए फायरिंग नहीं हुई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों गार्ड्स की केस डायरी और क्रिमिनल हिस्ट्री मांगी। दोनों की जमानत पर अब 10 जून को सुनवाई होगी। इधर, रौशन आनंद की जमानत पर भी कल यानी मंगलवार को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा। सुनवाई के दौरान खान के वकील ने बेल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले से इनका आपराधिक इतिहास है।

पुलिस ने खान सर के गार्ड्स के बयान पर उनके ऊपर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है। पुलिस की FIR में बताया गया है कि खान सर ने गार्ड्स से कहा था- तुम गोली चलाओ बाकी मैं देख लूंगा।

दरअसल, 2 जून की रात पटना स्थित खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ था। घटना के दौरान उनके बॉडीगार्ड्स के फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आया था। मामले में पुलिस पहले ही दोनों बॉडीगार्ड्स को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और खान सर से भी पूछताछ की जा चुकी है।

खान सर की कोचिंग में फायर सेफ्टी नहीं: खान सर की कोचिंग में फायर सेफ्टी को लेकर कमियां पाई गई हैं। बिहार फायर सर्विस कमांडेट रितेश पांडेय ने कहा, 'खान ग्लोबल स्टडीज को एक 31 मई को नोटिस दिया गया था। आज हमारी टीम फिर से जांच करने गई थी, लेकिन कमियों को दूर करने को लेकर सही

गार्ड्स की बेल पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित अपोजिशन के वकील बोले- जानबूझकर गोली चलवाई

प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। 15 जून के बाद अगर सभी मानक पूरे नहीं होते तो एक्शन लिया जाएगा।' इससे पहले बिहार फायर सर्विस के डीआईजी मनोज कुमार नट ने कहा था, 'तय वक्त में सारे मानक पूरे नहीं किए जाते तो कोचिंग सील करने की कार्रवाई की जाएगी।'

चाचा बोले- खान को सजा मिलनी चाहिएः खान सर के दूसरे चाचा इमरान ने भी कहा 'खान सर शिक्षक नहीं माफिया है, जो बच्चे उनके यूट्यूब पर क्लास कर रहे हैं, वो उनको धोखा दे रहे हैं। वो जिंदगी से खिलवाड़ करते हैं। गंदे नेचर के हैं और अपने सामने किसी को आगे बढ़ता नहीं देखना चाहते। वो अपने आप को भगवान समझ रहे हैं। उन्हें पैसे का घमंड है, वो नटवर लाल हैं। अगर उनकी कोचिंग से 10 बच्चे पास होंगे तो उसको 20 बताता है। वही फायरिंग कराया होगा उसको सजा मिलनी चाहिए।'

पटना समेत 8 जिलों में तेज बारिश, मुंगेर, बेगूसराय में छाए बादल

7 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, बिजली भी गिर सकती है

एजेंसी, पटना

भीषण गर्मी के बीच सोमवार को बिहार के कई जिलों का मौसम बदल गया है। पटना के मोकामा में आंधी और तेज बारिश हुई। अररिया, किशनगंज, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, शिवहर, बगहा और मोतिहारी में भी तेज बारिश हुई। मुंगेर में भी तेज हवा चल रही है और काले बादल छाए हैं। बेगूसराय में भी मौसम बदला है।

मौसम विभाग ने 14 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। जबकि आज दोपहर बाद पटना समेत 7 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना जताई गई है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है।

बिहार में इस समय दो तरह का मौसम बना हुआ है। एक तरफ दक्षिण बिहार में तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशानी बढ़ी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों तक तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 10 जून के बाद मौसम करवट लेगा और तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट आ सकती है। इसके साथ ही 15 जून से प्रदेश में मानसून के आने की संभावना जताई जा रही है।

40.5 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्मः बीते 24 घंटे में 2 जिलों का तापमान 40 डिग्री के पार रहा। 40.5 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा। जबकि रोहतास का पारा 40.4 डिग्री रहा। वहीं, बक्सर में 39.6 डिग्री और पटना में 38 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं, अरवल और नवादा में 68Kmph की रफ्तार से धूल भरी आंधी चली। किशनगंज हल्की बारिश हुई।

सुरक्षा घटाने पर लालू बोले- पागल हो गए हैं, मीसा ने कहा- नोटिस से पहले बंगला खाली कर देंगे

एजेंसी, पटना

सुरक्षा घटाने और बंगला खाली करने के नोटिस पर लालू यादव ने कहा, 'सब पागल हो गए। घृणा कर रहे हैं। मुझे उन लोगों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। सरकार को जो करना है करे।' लालू रविवार रात सिंगापुर से दिल्ली पहुंचे। जहां उन्होंने ये बयान दिया। लालू के साथ मीसा भारती भी थीं। बंगला खाली करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'हम 15 दिन के अंदर बंगला खाली कर देंगे।'

वहीं लालू परिवार की सुरक्षा घटाने पर कहा, 'लालू जी और राबड़ी जी को सुरक्षा की जरूरत नहीं है। लालू-राबड़ी के साथ उनके चाहने वाले बहुत हैं। मैं भी अपनी सुरक्षा लौटा रही हूं।' इन सब के बीच रविवार को राबड़ी देवी पटना के कौटिल्य नगर वाले घर का कामकाज देखने पहुंचीं। बताया जा रहा है कि राबड़ी आवास खाली करने के बाद लालू परिवार यहीं

राबड़ी कौटिल्य नगर वाला घर देखने पहुंचीं

शिफ्ट होगा।

विवाद बंगला खाली करने के नोटिस से शुरू हुआः 29 मई को भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को बंगला खाली करने के लिए तीसरा नोटिस दिया। दिल्ली से पटना लौटते ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के तेवर बेहद आक्रामक नजर आए। उन्होंने सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा, '10, सर्कुलर रोड वाला आवास किसी भी कीमत पर खाली नहीं करेंगे। सम्राट चौधरी अभी नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं। हम तो चाहते हैं कि वह फोर्स बुला लें और बलपूर्वक हमें यहां से हटा दें, पर हम खुद से नहीं जाएंगे।'

आनंद मोहन का जदयू नेताओं पर हमला, बोले- उकसाने की कोशिश न करें, जवाब देना आता है

एजेंसी, पटना

पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन ने एक बार फिर नाम लिए बिना जेडीयू के कुछ नेताओं पर तीखा हमला बोला है। मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 'विधानसभा चुनाव के दौरान 25 से 30, फिर से नीतीश" का नारा दिया गया था, लेकिन चुनावी जीतने के बाद ऐसी कौन-सी परिस्थितियां बन गईं कि नीतीश कुमार को सत्ता से दूर कर दिया गया।' उन्होंने कहा कि, 'इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।'

कुछ लोगों ने नीतीश कुमार को दरबारी बना दियाः आनंद मोहन ने कहा कि 'जिनके आवास पर कभी बड़े-बड़े नेता और अधिकारी पहुंचकर मुलाकात किया करते थे, आज उनकी स्थिति बदल दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्वार्थी और चाटुकार प्रवृत्ति के लोगों ने पार्टी और नेतृत्व दोनों को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। जिस नेता का कभी दरबार लगता था, आज उसी को दरबारी बना दिया गया है, जो उनके सम्मान के खिलाफ है।'

कार्यकर्ताओं से की विरोध की अपीलः पूर्व सांसद ने जेडीयू कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि, 'वे ऐसे लोगों के खिलाफ आवाज उठाएं जो पार्टी और उसके नेतृत्व को कमजोर करने का काम कर रहे हैं।

पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को नेतृत्व के सम्मान और संगठन की मजबूती के लिए आगे आना चाहिए।'

आनंद मोहन बोले- उकसाने की कोशिश न करें, जवाब देना आता हैः आनंद मोहन ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि, उन्हें बेवजह निशाना बनाने या उकसाने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। उनका किसी समाज से कोई विवाद नहीं है और सभी वर्गों का उन्हें सहयोग मिलता रहा है। हालांकि, यदि कोई उन्हें चुनौती देने की कोशिश करेगा तो वे उसका मजबूती से जवाब देंगे।

सिटीजन फीडबैक में पटना देशभर में तीसरे स्थान पर, 7.05 लाख लोगों ने दिया फीडबैक

एजेंसी, पटना

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत आम लोगों से उनके शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था पर फीडबैक लिया जा रहा है। पटना शहर सिटिजन फीडबैक में देशभर में तीसरे स्थान पर है। रविवार दोपहर तक के आंकड़ों के मुताबिक, पटना के 7,05,036 लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से अपना फीडबैक दर्ज कराया है। सबसे अधिक 9,03,240 सिटिजन फीडबैक के साथ लखनऊ पहले स्थान पर है। दूसरे स्थान पर इंदौर है, जहां से 8,63,752 लोगों ने अपनी राय दी है।

टॉप-300 शहरों में पटना अकेला शहरः टॉप -300 शहरों में पटना अकेला शहर है, जिसने ये भागीदारी दर्ज कराई है। यह उपलब्धि शहर की साफ-सफाई और नागरिक सुविधाओं पर लोगों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाती है। बिहार के अन्य तीन स्मार्ट सिटी इस मामले में काफी पीछे दिखाई दे रहे हैं। मुजफ्फरपुर को अब तक केवल 6,003 फीडबैक मिले हैं। भागलपुर में यह संख्या 4,828 रही, जबकि बिहारशरीफ की स्थिति सबसे कमजोर दिखी और वहां केवल 901 लोगों ने

फीडबैक दिया।

12,500 अंकों पर होगा मूल्यांकनः स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत निकायों का मूल्यांकन कुल 12,500 अंकों के आधार पर किया जाएगा। सर्टिफिकेशन (ODF, Water Plus, Garbage Free City) में 2000 अंक, ऑन-ग्राउंड असेसमेंट में 9500 अंक और सिटीजन फीडबैक में 1000 अंक शामिल हैं।

शहर की साफ-सफाई को लेकर पूछे 13 सवालः स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नागरिकों से शहर की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े 13

♦ टॉप-300 शहरों में बिहार से सिर्फ पटना शामिल

सवाल पूछे जा रहे हैं। इन सवालों में घर-दुकान से कचरा उठाव, सूखा-गीला कचरा सेग्रेगेशन, नियमित सफाई, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, RRR सेंटर की जानकारी, शिकायत निवारण व्यवस्था, आदि विषय शामिल हैं।

कैसे दें फीडबैक?ः नागरिक फीडबैक के लिए ऑनलाइन पोर्टल cf.sbmurban.org तैयार किया गया है। नागरिक अपने मोबाइल नंबर से लॉग इन कर पूछे गए सवालों का जवाब भर सकते हैं और ओटीपी वेरीफिकेशन के बाद अपना फीडबैक सबमिट कर सकते हैं। एक फोन नंबर से एक ही फीडबैक दर्ज किया जा सकता है। केंद्रीय टीम द्वारा ऑन-फील्ड वेरिफिकेशन के दौरान भी शहरवासियों से यही प्रश्न पूछे जाएंगे और उनके अंक स्वच्छ सर्वेक्षण के कुल स्कोर में जोड़े जाएंगे।

एयरपोर्ट पर युवती से छेड़छाड़ आरोपी को थाने लाया

एजेंसी, पटना

पटना एयरपोर्ट पर एक युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। वहां मौजूद भीड़ ने युवक को पड़कर एयरपोर्ट थाने के हवाले कर दिया है। फिलहाल एयरपोर्ट थाने पर युवक से पूछताछ हो रही है। एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने कैफिटेरिया में वहां मौजूद लोगों से पूछताछ भी की है। पुलिस के मुताबिक, लड़की की ओर से शिकायत लिखित रूप से नहीं की गई है। हालांकि, पुलिस मौखिक शिकायत के आधार पर ही घटना के बारे में पूछताछ के आधार पर पता लगाने की कोशिश कर रही है।

मेंटल तौर पर युवक स्वस्थ नहीं लग रहा- पुलिसः एयरपोर्ट थानेदार सुनील कुमार जायसवाल ने बताया कि, 'घटना का सत्यापन किया जा रहा है। लड़के ने पूछताछ में बताया है कि छेड़खानी जैसी कोई बात नहीं है। वह अंडरवियर नहीं पहनता है। पेंट उसकी कैसे फट गई।

आसपास के लोगों से पूछताछ जारी

उसे पता नहीं चला। जानकारी होने के बाद वॉशरूम में चेंज करने गया था। इसी दौरान मिस अंडरस्टैंडिंग हो गई।'

एयरपोर्ट थानेदार ने आगे कहा कि, 'फिलहाल सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन के बाद स्पष्ट तौर पर कुछ भी बताया जा सकता है। मेंटल तौर पर युवक स्वस्थ नहीं लग रहा है।'

पटना में लगेगा स्पोर्ट्स समर कैंप

एजेंसी, पटना

पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आज से स्पोर्ट्स समर कैंप की शुरूआत हुई है। बच्चों को खेल की फ्री ट्रेनिंग मिलेगी। इसके लिए 775 छात्रों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। इस समर कैंप में हर दिन दो सेशन होगा। पहला सेशन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और दूसरा सेशन शाम में 6:30 बजे से 8 बजे तक होगा। जो लोग पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं करा सकते हैं, वे आज सुबह भी आवेदन कर सकते हैं। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से होने वाले इस स्पोर्ट्स समर कैंप में भाग लेने वाले बच्चों को टीशर्ट, रिफ्रेशमेंट और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

फुटबॉल-बास्केटबॉल के साथ मार्शल आर्ट् सिखाया जाएगाः बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरण ने कहा कि इस समर कैंप में बेसिक एक्सरसाइज, स्ट्रेंथ, कंडीशनिंग

और अलग-अलग गेम के बारे में बच्चों को जानकारी दी जाएगी। इस समय कैंप का मुख्य उद्देश्य गर्मी छुट्टी के समय बच्चों का ज्यादा समय मोबाइल और टीवी पर न बीते, बल्कि वह स्पोर्ट्स एक्टिविटी में शामिल हो जाए। इस समर कैंप के माध्यम से बच्चों को फुटबॉल, बास्केटबॉल, वार्मअप एक्सरसाइज, एथलेटिक्स, एक्सरसाइज स्ट्रेचिंग, योगा, चेस, स्केटिंग, खो खो, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, एडवेंचर स्पोर्ट्स आदि की ट्रेनिंग दी जाएगी। एडवेंचरस स्पोर्ट्स के रूप में वॉल क्लाइंबिंग, सेल्फ डिफेंस के रूप में मार्शल आर्ट्स जैसे की ताइक्वांडो के बेसिक सिखाए जाएंगे।

कांग्रेस के 48 नए चेहरे सीख रहे राजनीति की भाषा

एजेंसी, पटना

कांग्रेस के नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम में चुने गए 48 लोगों को सदाकत आश्रम में ट्रेनिंग दी जा रही है। इसमें 38 प्रवक्ता, 5 रिसर्चर और 5 सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर शामिल है। सभी प्रवक्ताओं को टाइम लिमिट का चैलेंज दिया जा रहा है, ताकि वह कम समय में अपनी बात रख सके। इसके अलावा रिसर्चर को डाटा सेंट्रिक ट्रेनिंग दी जा रही है। कांग्रेस का ये टैलेंट हंट प्रोग्राम लगभग 2 महीने तक चला था। इसमें बिहार से 9100 लोगों ने अप्लाई किया था, जिसमें 100 लोगों को शॉर्टलिस्ट करके फाइनल राउंड के लिए बुलाया गया था।

टाइम लिमिट का दिया जा रहा चैलेंजः कांग्रेस प्रवक्ता चंद्रभूषण ने कहा कि, 'कांग्रेस के टैलेंट हंट प्रोग्राम में सेलेक्ट हुए सभी 48 लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है। सबसे पहले विजुअल ट्रेनिंग हो रही है, जिसमें सभी को एक पर्टिकुलर टॉपिक दिया जा रहा है और उस पर बोलने को कहा जा रहा है। प्रवक्ताओं को ट्रेनिंग में टाइम लिमिट का चैलेंज दिया जा रहा है, ताकि वह एक बाइट मोड में कम

समय में अपनी बात को रख सकें। सभी रिसर्चर को डाटा सेंट्रिक ट्रेनिंग दी जा रही है। ताकि किसी पार्टिकुलर टॉपिक पर वह सही माध्यम से डाटा को कोट कर सकें। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर या सोशल मीडिया वालों को यह टास्क दिया जा रहा है कि वह किस तरीके से सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि, 'यह ट्रेनिंग पूरे महीने चलेगी। इसके माध्यम से हम यह देखेंगे कि यह चुने गए कैंडिडेट कैमरा के सामने किस तरीके से बोल सकते हैं, उनका ओवरऑल नॉलेज कैसा है और कम समय में वह कितने इफेक्टिव तरीके से अपनी बातों को रख सकते हैं। इस दौरान उन्हें करंट टॉपिक पर बहस करने को दिया जा रहा है,

♦ पटना सदाकत आश्रम में टैलेंट हंट प्रोग्राम के तहत ट्रेनिंग, कैमरे के सामने बोलने का अभ्यास जारी

जिसमें बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक, जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसमें रिटन टेस्ट भी होगा और फिर मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन भी दिया जाएंगे। इस पहल के अंतर्गत कांग्रेस पार्टी तीन प्रमुख क्षेत्रों में प्रतिभाओं की खोज कर रही थी। पहला मीडिया प्रवक्ता-पैनलिस्ट जो टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सार्वजनिक मंचों पर स्पष्टता, विश्वसनीयता और अनुशासन के साथ पार्टी का पक्ष रख सकें। दूसरा रिसर्च को-ऑर्डिनेटर ,जो तथ्य-आधारित, शोध-आधारित सामग्री, नीतिगत विश्लेषण और मुद्दा-ब्रीफ तैयार कर पार्टी के संदेश को मजबूती दें। तीसरा पब्लिसिटी कोऑर्डिनेटर, जो सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप नेटवर्क, स्थानीय मीडिया और ज़मीनी स्तर पर पार्टी का संदेश व्यापक रूप से पहुंचाए।

संक्षिप्त समाचार

भरण-पोषण मामले में दो वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम @ पताही (मोतिहारी)। भरण-पोषण मामले में न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर पताही थाना पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पारिवारिक व्यवहार न्यायालय, मोतिहारी द्वारा भरण-पोषण संबंधी मामले में जारी वारंट के आलोक में कार्रवाई करते हुए लालबाबू साह (पिता- रामदयाल साह), निवासी बेलहीराम तथा राजेश साह (पिता- स्व. रामचंद्र साह), निवासी पदुमकेर, दोनों थाना पताही, जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट निर्गत था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायिक कार्रवाई के लिए भेजा गया। इस मामले में अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। पताही थाना पुलिस ने कहा कि न्यायालय से निर्गत वारंटों के निष्पादन एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

मोतिहारी में यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, मई में 9991 वाहनों का चालान, 1.43 करोड़ रुपये जुर्माना

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मोतिहारी पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मई माह के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मई महीने में कुल 9991 वाहनों का चालान किया गया, जबकि वाहन जांच एवं शमन शुल्क के रूप में 1.43 करोड़ रुपये की राशि वसूल की गई। आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक कार्रवाई बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर हुई। इस श्रेणी में कुल 73.70 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा बिना बीमा वाले वाहनों से 24.54 लाख रुपये, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने वालों से 10.50 लाख रुपये तथा ट्रिपल राइडिंग के मामलों में 6.87 लालों से 1.45 लाख रुपये, गलत दिशा में वाहन चलाने वालों से 61 हजार रुपये और सीट बेल्ट नहीं लगाने वालों से 75 हजार रुपये की वसूली की गई। बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर भी कार्रवाई करते हुए 8 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में 25.24 लाख रुपये की राशि वसूली गई। मोतिहारी पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि नियमों का पालन कर न केवल आर्थिक दंड से बचा जा सकता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को भी काफी हद तक रोका जा सकता है।

पश्चिम चंपारण में महाकुर्की अभियान, 10 कुर्की वारंट निष्पादित, 3 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। पुलिस मुख्यालय, पटना के निर्देश पर पश्चिम चंपारण जिले में अपराधियों के खिलाफ विशेष महाकुर्की अभियान चलाया गया। अभियान के तहत हत्या, डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट, शराब तस्करी एवं अन्य गंभीर मामलों में फरार चल रहे वांछित अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। बेतिया पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ऐसे अपराधी जो लंबे समय से फरार हैं और न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं कर रहे हैं, उनके ठिकानों पर कुर्की-जप्ती की कार्रवाई की गई। अभियान का उद्देश्य अपराधियों पर कानूनी दबाव बढ़ाना तथा जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करना है। पुलिस ने बताया कि 7 जून 2026 को चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान जिले भर में कुल 10 कुर्की वारंटों का निष्पादन किया गया। वहीं कार्रवाई के क्रम में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में भी सफलता मिली। पश्चिम चंपारण पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून से बचने की कोशिश करने वाले अपराधियों के विरुद्ध न्यायालय के आदेशानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। बेतिया पुलिस ने इसे अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल व सरकारी भवनों में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

बीएनएम @ घोड़ासहन। घोड़ासहन थाना पुलिस ने स्कूलों एवं सरकारी भवनों से मोटर, चापाकल तथा अन्य मशीनरी की चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की सामग्री बरामद की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नगदाहा पूर्णहियां गांव निवासी सुजीत कुमार (पिता- स्व. सुरेश पासवान) एवं नीतीश कुमार (पिता- राम इकबाल महतो) चोरी की गई सामग्री को बेचने की तैयारी में हैं। सूचना के आधार पर गठित पुलिस टीम ने छापेमारी कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों के पास से चोरी की गई सामग्री भी बरामद की गई है। बरामद सामान में चापाकल के 12 हैंडल, लोहे के चार बोल्ट तथा 15 लोहे के पिन शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपित स्कूलों एवं सरकारी भवनों में लगे चापाकल, मोटर और अन्य मशीनरी के उपकरणों की चोरी में संलिप्त थे। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में अग्रेतर कानूनी कार्रवाई जारी है।

111 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, वैगनआर कार जब्त

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बलथर थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान 111 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है तथा तस्करी में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण के निर्देश पर 6 जून 2026 को बलथर थाना पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर विशेष वाहन जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान उजले रंग की वैगनआर कार (पंजीकरण संख्या BR22BF2725) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से कुल 111 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से वाहन चालक मनमोहन कुमार, पिता गणेश राउत, निवासी घोघा वार्ड संख्या-06, थाना गोपालपुर, जिला पश्चिम चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। बरामद गांजा और वाहन को जब्त कर लिया गया है। इस संबंध में बलथर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे किस स्थान तक पहुंचाया जाना था। पश्चिम चंपारण पुलिस ने कहा है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रचंड गर्मी में खराब पड़ा चापाकल, राहगीरों और आमजनों को हो रही भारी परेशानी

बीएनएम @ बेतिया। बेतिया नगर निगम के वार्ड संख्या 21 स्थित बड़ा नहर मंदिर परिसर में लगा चापाकल कई महीनों से खराब पड़ा है। भीषण गर्मी के बीच पेयजल की सुविधा बाधित होने से राहगीरों, श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर परिसर में स्थित यह चापाकल क्षेत्र का महत्वपूर्ण जलस्रोत है, जिससे प्रतिदिन सैकड़ों लोग अपनी प्यास बुझाते हैं। इसके अलावा अंतिम संस्कार और अन्य धार्मिक क्रियाकर्म के लिए भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। ऐसे लोग क्रियाकर्म के बाद इसी चापाकल के पानी से हाथ-मुंह धोने और स्नान करने का कार्य करते रहे हैं। लोगों का कहना है कि महीनों से चापाकल खराब होने के बावजूद न तो स्थानीय पार्षद ने इस ओर ध्यान दिया है और न ही संबंधित विभाग ने इसकी मरम्मत के लिए कोई पहल की है। लगातार बढ़ती गर्मी और पेयजल संकट के बीच लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। सामाजिक कार्यकर्ता रामबाबू पटेल सहित स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम और संबंधित विभाग से अविलंब चापाकल की मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सार्वजनिक उपयोग और धार्मिक महत्व को देखते हुए इस चापाकल को जल्द से जल्द चालू कराया जाना चाहिए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

साइबर अपराध व महिला सुरक्षा पर जागरूक हुए छात्र-छात्राएं, राधाकृष्ण सिकरिया बी.एड. कॉलेज में विशेष कार्यक्रम आयोजित

» पुलिस अधिकारियों ने ऑनलाइन ठगी से बचाव, साइबर सुरक्षा के उपाय एवं महिला सशक्तिकरण पर दी महत्वपूर्ण जानकारी; कॉलेज में गर्ल्स शूटिंग एकेडमी व कराटे प्रशिक्षण की योजना का हुआ खुलासा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। डिजिटल युग में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों एवं महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शहर के राधाकृष्ण सिकरिया बी.एड. कॉलेज, मोतिहारी के सभागार में सोमवार को "साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम" का भव्य आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग तथा महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. शंभू नाथ सिकरिया, सचिव यमुना कुमार सिकरिया, साइबर एएसपी प्रीतिश कुमार, एएसपी -सह- मुफस्सिल थाना प्रभारी कुमारी प्रियंका, साइबर इंस्पेक्टर मनीष कुमार, बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि मंटू कुमार तथा प्राचार्या प्रीति दुबे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिवार की ओर से सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साइबर एएसपी प्रीतिश कुमार ने कहा कि साइबर अपराध अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों तक भी तेजी से फैल चुके हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी लोगों की छोटी-सी लापरवाही का लाभ उठाकर बैंक खातों से धनराशि निकाल लेते हैं। उन्होंने छात्रों को किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक नहीं करने, केवल विश्वसनीय स्त्रोतों से मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करने तथा डिजिटल उपकरणों को नियमित रूप से अपडेट रखने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। महिला सुरक्षा विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एएसपी कुमारी प्रियंका ने कहा कि महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है, जहां महिलाएं बिना किसी संकोच के अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि छेड़छाड़, साइबर स्टॉकिंग, सोशल मीडिया उत्पीड़न अथवा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि का सामना करने पर चुप न रहें और तत्काल परिवार, शिक्षकों अथवा पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दें। वहीं साइबर इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने छात्रों को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए हथकंडों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराध के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार है। उन्होंने छात्रों को ओटीपी, एटीएम कार्ड विवरण, सीवीवी नंबर, यूपीआई पिन और इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारियां किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने फर्जी कॉल, ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड और सरकारी अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी के मामलों से सतर्क रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कॉलेज के सचिव यमुना कुमार सिकरिया ने सभी अतिथियों एवं पुलिस अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक चेतना के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई। कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. शंभू नाथ सिकरिया ने कहा कि संस्था छात्राओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जानकारी दी कि कॉलेज परिसर में गर्ल्स शूटिंग एकेडमी स्थापित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है, जिसके लिए जिला प्रशासन को एनओसी हेतु आवेदन दिया गया है। अनुमति प्राप्त होने के बाद 13 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं को निशुल्क शूटिंग प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए कराटे प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकगण, कर्मचारी, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर गहरी रुचि दिखाई तथा अधिकारियों से अनेक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

कर्तव्य में लापरवाही पर बेतिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 14 पुलिस पदाधिकारी निलंबित

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया,। पश्चिम चंपारण जिले में कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई की है। रात्रि जांच के दौरान ड्यूटी में गंभीर शिथिलता पाए जाने पर 14 पुलिस पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि 26 अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक पश्चिम चंपारण द्वारा जिले में विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की कार्यकुशलता की लगातार समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में 7/8 जून की रात पुलिस उपाधीक्षक यातायात एवं पुलिस उपाधीक्षक रक्षित पुलिस केंद्र, बेतिया से बैरिया, नौतन, जगदीशपुर, बलथर, सिकटा, पुरुषोत्तमपुर और इनरवा थानों की आकस्मिक जांच कराई गई। जांच के दौरान कई थानों के रात्रि गश्ती दल, ओडी (ऑफिसर ऑफ द डे) पदाधिकारी एवं कर्मी अपने निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में लापरवाह पाए गए। गश्ती, निगरानी एवं अन्य पुलिस कार्यों में गंभीर शिथिलता सामने आने पर पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि कर्तव्य के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा जनता से जुड़े मामलों में उदासीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, तत्परता और जवाबदेही के साथ करने का निर्देश दिया गया है। पश्चिम चंपारण पुलिस ने कहा है कि जनता की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के लिए वह पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत करने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

बैग में छिपाकर ले जा रहा था गांजा, पुलिस ने दबोचा

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के भंगहा थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5.430 किलोग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से बरामद गांजा को जब्त कर लिया गया है तथा उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मादक पदार्थ लेकर प्रतापपुर-भंगहा मार्ग से गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण के निर्देश पर भंगहा थाना पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाया। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली। तलाशी के क्रम में उसके पिट्ठू बैग से 5.430 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोतीलाल मांझी, पिता शोहरत मांझी, निवासी कोटवा, थाना भंगहा, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद गांजा को जब्त कर भंगहा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी। पश्चिम चंपारण पुलिस ने कहा है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जमीन विवाद में चाकूबाजी, 4 घंटे में 3 आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के शिकारगंज थाना क्षेत्र के हरिहरा गांव में जमीन बंटवारे को लेकर हुए विवाद में चाकूबाजी की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज चार घंटे के भीतर दो पुरुष और एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 6 जून 2026 को हरिहरा गांव में दो पक्षों के बीच जमीन बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान हुई मारपीट में बिट्टू राय और रीना देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को चाकू मारकर जख्मी किया गया, जिसके बाद उनका इलाज मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही शिकारगंज थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और चार घंटे के भीतर मामले के मुख्य आरोपी गोविंदा राय, साहेब राय तथा एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की तलाशी के दौरान गोविंदा राय के पास से घटना में प्रयुक्त खून से सना चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों के रूप में घायलों के खून लगे कपड़े तथा मुख्य आरोपी का खून लगा टी-शर्ट भी जब्त किया है। बरामद सामानों को जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। गिरफ्तार आरोपियों में गोविंदा राय एवं साहेब राय, दोनों हरिहरा गांव के निवासी हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है। इस कार्रवाई में सिकरहना के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिषेक कुमार, पुलिस निरीक्षक सच्चिदानंद पांडेय, शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल कुमार सहित थाना के अन्य पुलिसकर्मी एवं सशस्त्र बल शामिल रहे।

पोक्सो मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार, अपहृता युवती सकुशल बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के बीजधरी थाना क्षेत्र में दर्ज पोक्सो मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने प्राथमिकी के नामजद दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही अपहृता युवती को सकुशल बरामद कर लिया है। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी के अनुसार, बीजधरी थाना कांड संख्या 23/26, दिनांक 18 फरवरी 2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(2), 137(2), 352 तथा पोक्सो एक्ट की धारा 8/12 के तहत दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नामजद अभियुक्त चिंटू महतो उर्फ अखिलेश कुमार (22 वर्ष), पिता रामेश्वर महतो तथा रामेश्वर महतो (52 वर्ष), पिता स्वर्गीय मुखलाल महतो, दोनों निवासी केसरिया थाना क्षेत्र, पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले में अपहृत युवती अंजली कुमारी, पिता संजय राय, निवासी सुंदरापुर, थाना बीजधरी को भी सकुशल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जबकि बरामद युवती का आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण एवं न्यायालय में बयान दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है तथा सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

राष्ट्रवाक्-2026 में डॉ. दिवाकर राय को मिला जयशंकर प्रसाद स्मृति साहित्य सम्मान

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। चंपारण के प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं नाटककार डॉ. दिवाकर राय को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन राष्ट्रवाक्-2026 में प्रतिष्ठित जयशंकर प्रसाद स्मृति साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न प्रसंगों पर उत्कृष्ट नाटक लेखन के लिए प्रदान किया गया। दिल्ली के देशबंधु कॉलेज में आयोजित समारोह में प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक डॉ. जे. नंदकुमार तथा डंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. के. जी. सुरेश ने संयुक्त रूप से अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। राष्ट्रवाक्-2026 का आयोजन सनातन लाइफ स्टाइल फाउंडेशन द्वारा किया गया था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय साहित्यिक विमर्श, साहित्य और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान समारोह तथा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर 'राष्ट्रवाक्' पत्रिका के नवीन अंक का लोकार्पण भी किया गया। डॉ. दिवाकर राय नाटक लेखन के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान बना चुके हैं। उनकी अब तक आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें सात नाटक शामिल हैं। उनके नाटकों में भारत की अस्मिता, स्वाभिमान और स्वतंत्रता आंदोलन के विविध प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। हाल ही में चंपारण सत्याग्रह के स्थानीय नायक पंडित राजकुमार शुक्ल के जीवन-संघर्ष पर आधारित उनके चर्चित नाटक नील नायक का लोकार्पण बेतिया में हुआ था। डॉ. राय को विश्व हिन्दी सचिवालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय हिन्दी एकांकी लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

इसके अलावा उन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगभग डेढ़ दर्जन सम्मान मिल चुके हैं। जयशंकर प्रसाद स्मृति साहित्य सम्मान मिलने पर चंपारण के साहित्यिक जगत में खुशी की लहर है। साहित्यकारों, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए इसे पूरे चंपारण के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

NDPS मामले में तीन दोषियों को 10-10 वर्ष की सजा, एक-एक लाख रुपये जुर्माना

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े एक मामले में एनडीपीएस कोर्ट-1, मोतिहारी ने तीन अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार, आदापुर थाना कांड संख्या-122/24 (एनडीपीएस-46/26) में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं मोतिहारी पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट के आधार पर न्यायालय ने यह फैसला सुनाया। एनडीपीएस कोर्ट-1 की न्यायाधीश श्रीमती रेशमा वर्मा ने मामले में दोष सिद्ध होने पर अभियुक्त मायालाल कुमार (पिता- नंदकिशोर सहनी), मो. मुस्लिम (पिता- शेख जयवाद) तथा हरिमोहन कुमार (पिता- राम इकबाल मुखिया), सभी निवासी सिसवा अजगरी, थाना बंजरिया, जिला पूर्वी चंपारण को 10-10 वर्ष के कारावास एवं एक-एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक डॉ. शंभू शरण सिंह ने प्रभावी पैरवी की। मोतिहारी पुलिस ने इस निर्णय को मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

कटगेनवा में गन्ना ग्राम गोष्ठी आयोजित, 90 किसानों ने लिया भाग

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। क्षेत्रीय विकास परिषद, मोतिहारी के तत्वावधान में एचपीसीएल बायोफ्यूल लिमिटेड, सुगौली के आरक्षित क्षेत्र अंतर्गत आदापुर प्रखंड के कटगेनवा गांव में सोमवार को गन्ना ग्राम गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में किसानों को गन्ना खेती, सरकारी योजनाओं एवं आधुनिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के गन्ना प्रसार अधिकारी श्रुतिधर ने राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए किसानों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। वहीं मिल प्रबंधन की ओर से गन्ना अधिकारी अमित कुमार सिंह ने गन्ना सर्वे, गन्ना बुआई तथा उत्पादन बढ़ाने से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। वहीं, गन्ना से जुड़े समसामयिक विषयों पर अजय शर्मा ने किसानों को जागरूक किया। बैठक में स्थानीय बीएलडब्ल्यू, एमटीएस सहित मिल के क्षेत्रीय पर्यवेक्षक भी उपस्थित रहे। गोष्ठी में कुल 90 किसानों ने भाग लेकर गन्ना खेती से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्राप्त कीं।

संक्षिप्त समाचार

आपसी विवाद के बाद घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, पांच खोखे बरामद; चार पर केस दर्ज

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण के साठी थाना क्षेत्र स्थित नंदपुर गांव में देर रात एक घर पर हुई फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने मौके से पांच खाली खोखे बरामद किए हैं और चार नामजद आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 6 और 7 जून की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे नंदपुर निवासी चुन्नू पांडेय ने सूचना दी कि उनके दरवाजे पर अज्ञात लोगों द्वारा फायरिंग की गई है। सूचना मिलते ही साठी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पांच खाली खोखे बरामद हुए, जिन्हें जब्त कर लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस अब वैज्ञानिक जांच के आधार पर मामले की तह तक पहुंचने में जुटी है। चुन्नू पांडेय ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी नेहा कुमारी ने उनके और उनके परिवार के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 6 जून को दोनों पक्ष कोर्ट में उपस्थित हुए थे। आरोप है कि कोर्ट परिसर से बाहर निकलने के दौरान नेहा कुमारी के भाई राजन तिवारी ने उन्हें जान से मरवाने की धमकी दी थी। चुन्नू पांडेय का कहना है कि उसी धमकी के बाद राजन तिवारी और उसके सहयोगियों ने उनके घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर साठी थाना में चार नामजद व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले के खुलासे और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए नरकटियागंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

126.9 लीटर नेपाली शराब, चोरी की बाइक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ ढाका। ढाका थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 126.9 लीटर नेपाली शराब, एक चोरी की मोटरसाइकिल तथा दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार महुआवा गांव में छापेमारी के दौरान 414 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 126.9 लीटर है। मौके से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। जांच के दौरान मोटरसाइकिल का चेसिस एवं इंजन नंबर घिसा हुआ पाया गया, जिससे उसके चोरी का होने की आशंका जताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पंकज पटेल (पिता- ललन पटेल), निवासी पटेल नगर, थाना ढाका तथा कृष्णा महतो (पिता- शिवलाल महतो), निवासी दोस्तियां, थाना कुंडवा चैनपुर, दोनों जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार पंकज पटेल का उत्पाद अधिनियम से जुड़े कई मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध ढाका थाना में वर्ष 2021, 2024 एवं 2026 में उत्पाद अधिनियम के तहत कई कांड दर्ज हैं। वहीं कृष्णा महतो के विरुद्ध भी वर्ष 2026 में उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेजते हुए मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

छात्रों की सुरक्षा के लिए साउथ जोन स्कूल की अनूठी पहल, सभी विद्यार्थियों को दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज। विद्यार्थियों की सुरक्षा और अभिभावकों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में साउथ जोन माध्यमिक विद्यालय ने सराहनीय कदम उठाया है। पर्सा जिले के वीरगंज–13, राधेमाई स्थित विद्यालय ने अपने करीब 1,825 विद्यार्थियों के लिए दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की है। विद्यालय के संचालक एवं प्याब्सन पर्सा के अध्यक्ष सरोज प्रसाद चौधरी की पहल पर Neco Insurance Limited के सहयोग से प्रत्येक छात्र को 1 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा तथा 3,500 रुपये का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया गया है। इस प्रकार हर विद्यार्थी को कुल 1 लाख 3 हजार 500 रुपये तक की बीमा सुरक्षा मिलेगी। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार यह बीमा सुविधा 24 घंटे प्रभावी रहेगी। इसके तहत विद्यालय परिसर, घर, स्कूल आने-जाने के रास्ते, खेलकूद गतिविधियों या किसी अन्य स्थान पर दुर्घटना होने की स्थिति में उपचार व्यय का दावा किया जा सकेगा। दुर्घटना बीमा के अंतर्गत एक वर्ष में अधिकतम 1 लाख रुपये तथा प्रति घटना अधिकतम 25 हजार रुपये तक उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। वहीं स्वास्थ्य बीमा के तहत सामान्य बीमारी की स्थिति में ओपीडी टिकट एवं दवा-उपचार पर होने वाले खर्च के लिए वर्ष में अधिकतम 3,500 रुपये तक का दावा किया जा सकेगा। विद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस योजना से विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। साथ ही आकस्मिक दुर्घटना या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के दौरान होने वाले खर्च का बोझ कम होगा तथा अभिभावकों को आर्थिक राहत मिलेगी। यह पहल क्षेत्र के अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए भी एक प्रेरणादायी उदाहरण बन सकती है।

सहयोग शिविर की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

बीएनएम @बगहा: पश्चिम चम्पारण जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 16 जून को विभिन्न पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसकी तैयारियों और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा को लेकर सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।बैठक में डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर के सफल संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए शिविर स्थलों पर पेयजल, छायादार प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था, चिकित्सा सहायता सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि चयनित शिविर स्थलों में अंतिम समय में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाए, ताकि लोगों को असुविधा न हो।

लंबित मामलों के निपटारे में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : मंत्री

बीएनएम @पटना। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने राजस्व कार्यों में हो रही देरी और लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है। सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुंगेर, पूर्णिया और खगड़िया जिलों के राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यों का निष्पादन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में मंत्री ने विकास योजनाओं और औद्योगिक निवेश को गति देने के लिए प्राथमिकता के आधार पर लैंड बैंक निर्माण का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी परियोजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उपयुक्त जमीनों की पहचान कर उन्हें शीघ्र लैंड बैंक में शामिल किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग पूरी तरह ऑनलाइन प्रणाली पर कार्य कर रहा है और किसी भी स्तर पर ऑफलाइन कार्य करते पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में विभागीय सचिव जय सिंह, विशेष सचिव सीमा त्रिपाठी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

योगापट्टी मच्छरगावा में जलजमाव से लोगों को मिली राहत

बीएनएम @योगापट्टी: योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के नगर पंचायत मच्छरगावा में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण कई सड़कों और गलियों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। सड़क पर पानी जमा होने से स्थानीय लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। खासकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और दैनिक कार्यों के लिए निकलने वाले लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी।स्थानीय लोगों की समस्याओं को देखते हुए वार्ड नंबर 5 के वार्ड पार्षद मृतक कुंदन सिंह के पिता लालसाहेब सिंह ने मानवीय पहल करते हुए पंपिंग सेट की व्यवस्था कर सड़क पर जमा पानी को निकलवाने का कार्य शुरू कराया।

बीमारी ठीक करने के नाम पर ठगी, पंडित का वेश धरकर 4.50 लाख के जेवर लेकर फरार

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के साठी थाना क्षेत्र अंतर्गत सतबरिया गांव में बीमारी ठीक करने का झांसा देकर दो ठगों ने एक परिवार से करीब 4.50 लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात ठग लिए और फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने काफी खोजबीन की, लेकिन दोनों आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिल सका। जानकारी के अनुसार, सतबरिया निवासी महेश शाह के घर बाइक से पहुंचे दो व्यक्ति खुद को साधु-पंडित बताकर भीख मांगने लगे। बातचीत के दौरान उन्होंने कथित चमत्कार दिखाते हुए 100 रुपये के नोट को पत्थर में बदलने का दावा किया, जिससे परिवार के लोग उनके झांसे में आ गए। परिजनों ने अपनी पुत्री की बीमारी की जानकारी उन्हें दी, जिस पर दोनों ने तंत्र-मंत्र के माध्यम से बीमारी ठीक करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद उन्होंने पूजा-पाठ के लिए एक लोटा पानी, चावल और सोने के पांच गहने मंगवाए। परिवार के लोग कान की बाली, टॉप, मंगलसूत्र, नथिया समेत अन्य आभूषण लेकर आ गए। आरोप है कि दोनों ठगों ने तंत्र-मंत्र की प्रक्रिया के दौरान परिवार के सदस्यों को दूर रहने और कुछ भी नहीं देखने-सुनने की सलाह दी। इसी बीच उन्होंने पानी से भरे लोटे में सभी जेवर रखवा दिए। कुछ देर बाद कथित पूजा पूरी होने की बात कहकर उन्होंने परिवार को निर्देश दिया कि लोटे का थोड़ा पानी दरवाजे पर स्थित सती माता स्थान पर चढ़ा दें और शेष पानी बीमार पुत्री को पिला दें। जब परिजनों को संदेह हुआ और उन्होंने लोटे की जांच की तो उसमें रखे सभी कीमती जेवर गायब थे। इसके बाद परिवार ने सड़क, चनपटिया रेलवे स्टेशन तथा आसपास के क्षेत्रों में दोनों ठगों की तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों की गिरफ्तारी तथा ठगे गए जेवरात की बरामदगी की मांग की है।

5000 का इनामी शराब कारोबारी हुआ गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि । थाना हरसिद्धि की पुलिस ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 5,000 रुपये का इनामी शराब कारोबारी राजू सहनी (पिताः द्वारिका सहनी), निवासी ग्राम दामोवृति, को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद आवश्यक पूछताछ और जांच-पड़ताल के बाद उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत के लिए जेल भेज दिया गया। थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि राजू सहनी के खिलाफ चल रही जांच जारी है और पुलिस स्थानीय अवैध शराब जाल के अन्य कड़ियों का पता लगाने के लिए छानबीन कर रही है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई क्षेत्र में शराब की अवैध आपूर्ति पर अंकुश लगाने के निर्देश के तहत की गई है। अधिकारियों ने कहा कि गिरफ्तारी के दौरान कई संदिग्ध सामग्री बरामद हुई हैं, जिनकी विस्तृत जांच जारी है। नगरवासी और स्थानीय प्रशासन ने कार्रवाई की प्रशंसा की और कहा कि इससे इलाके में शांति और कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पुलिस ने जनता से अपील की है कि यदि किसी के पास अवैध शराब से जुड़ी जानकारी हो तो वे तत्काल थाने को सूचित करें।

पत्रकारों के अधिकारों की लड़ाई को मिला नया स्वर

बीएनएम @ शेखपुरा

शेखपुरा। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान को लेकर राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक शहर के एक निजी सभागार में आयोजित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व सुविद पाण्डेय ने किया, जिसमें महासंघ के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी और जिले भर के पत्रकार शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन विस्तार के तहत धीरज सिन्हा को शेखपुरा जिला संयोजक तथा चतुरानन्द मिश्रा को उप जिला संयोजक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा, पेंशन, बीमा, सामाजिक सुरक्षा और पत्रकार कल्याण से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। इस दौरान शेखपुरा से एक महत्वपूर्ण मांग उठाई गई कि पत्रकारों को भारतीय संविधान में स्पष्ट पहचान और स्थान दिया जाए। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष करेगा। बैठक के अंत में उपस्थित पत्रकारों ने एक स्वर में पत्रकारों के सम्मान और सुरक्षा को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। इस बैठक में प्रदेश से आये राष्ट्रीय प्रवक्ता एसएन चतुर्वेदी, प्रदेश महासचिव ललन कुमार, प्रदेश संयोजक विश्वनाथ कुमार गुप्ता, प्रदेश संयुक्त सचिव विकास कुमार, प्रदेश उप संयोजक प्रिया सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. जबकि जिले भर से आये पुष्पेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अरबिंद आनंद, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, सुनील कुमार, राजेश कुमार और अंशु कुमार आदि उपस्थित रहे. इस दौरान बिहार प्रदेश से आये संगठन के पदाधिकारियों ने अभी पत्रकारों को फूलो का माला पहनाकर और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया.

अंधकारमय सच्चाई उजागर

सिर्फ विजय या स्टालिन को ही दोष क्यों दिया जाए? किसी राज्य या यहां तक कि केंद्र के बजट पर गौर करें, तो यही कहानी घटित होती दिखती है। पैसा बांटो, वोट खरीदो- सबका मकसद है। तमिलनाडु की सत्ता संभालते ही सी. जोसेफ विजय ने वो रोना रो दिया, जो अब राज्यों में बनने वाली हर नई सरकार के मुखिया करते हैं! आरोप लगाया कि पूर्व डीएमके सरकार राजकोष को बदहाल छोड़ गई है, जिसका ब्योरा उनकी सरकार एक श्वेत पत्र जारी कर देगी। कहा कि राज्य पर दस लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। इसके बावजूद थलापति (कमांडर) पुकारे जाने वाले नए मुख्यमंत्री ने 200 यूनिट फ्री बिजली देने का एलान कर दिया। इससे हर साल 1,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का नया बोझ राजकोष पर पड़ेगा। वैसे, यह सिर्फ झांकी है। वादों की अपनी लंबी लिस्ट को उन्होंने निभाया, तो उस पर सालाना एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च आएगा। 3.31 लाख करोड़ रुपये के बजट वाले इस राज्य में फिलहाल 65 हजार करोड़ रुपये की वो कल्याण योजनाएं भी हैं, जिन्हें डीएमके सरकार ने शुरू किया था। जिस राज्य में राजस्व का 62 फीसदी हिस्सा तनख्वाह, पेंशन, और ब्याज चुकाने पर खर्च होता हो, वहां ऐसा जन कल्याण सिर्फ नया ऋण लेकर ही किया जा सकता है! हर कर्ज बुरा नहीं होता, बशर्ते उसका इस्तेमाल अर्थव्यवस्था एवं समाज की बुनियाद मजबूत करने के लिए किया जाए। इससे भविष्य में राजस्व बढ़ता है, जिससे विकसित समाज बनाने का मार्ग प्रशस्त होता है। जबकि ऋण लेकर उपभोग में खर्च करना असल में भविष्य को दांव पर लगाना होता है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्टालिन हों या विजय, अथवा अन्य राजनीतिक दल एवं नेता- इस अनुभव सिद्ध तथ्य को नजरअंदाज किए रहते हैं। याद करने योग्य है कि 2021 में मुख्यमंत्री बनने पर डीएमके नेता एम.के. स्टालिन ने पूर्व एडीएमके सरकार पर खाली खजाना छोड़ जाने का आरोप लगाया था। मगर, नकदी ट्रांसफर की अपनी योजनाएं चलाने से वे बाज नहीं आए। वैसे सिर्फ उन्हें या विजय को ही दोष क्यों दिया जाए? किसी राज्य या यहां तक कि केंद्र के बजट पर गौर करें, तो यही कहानी घटित होती दिखती है। बुनियाद मजबूत करना आज किसी की प्राथमिकता नहीं है। पैसा बांटो, वोट खरीदो- सबका मकसद है। हर श्वेत पत्र इसी अंधकारमय सच्चाई को उजागर करता है।

एआई का जनजातीय भाषाओं में संवादः समावेशी विकास का द्योतक अथवा जनजातीय गरिमा को प्रौद्योगिकी का समर्थन

श्रीमती रंजना चोपड़ा

हमारे देश भर में फैले जंगलों, पहाड़ियों और दूरदराज की बस्तियों में, एक शांत लेकिन सफल परिवर्तन चल रहा है। जनजातीय समुदाय लंबे समय से भारत की विकास गाथा के केंद्र में अपने उचित स्थान का इंतजार कर रहे थे। आज वे राष्ट्र की प्रगति के सक्रिय वास्तुकार के रूप में उभर रहे हैं। जनजातीय गरिमा उत्सव की यही भावना हैः विकसित भारत की यात्रा का एक राष्ट्रीय उत्सव, जहां प्रगति भूगोल या परिस्थिति का विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का समान रूप से अधिकार है।

महत्वाकांक्षा का पैमाना

यह समझने के लिए कि प्रौद्योगिकी जनजातीय विकास के लिए अपरिहार्य क्यों हो गई है, किसी को पहले चुनौती की व्यापकता को समझना चाहिए। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पी ए म -जनमन), धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए), राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन और संबंधित पहलों में 549 जिलों और 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 2,911 ब्लॉकों के 63,000 से अधिक गांवों को शामिल किया गया है, जिससे 5.5 करोड़ से अधिक आदिवासी नागरिक लाभान्वित हुए हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) पर विशेष ध्यान देने के साथ, इन प्रयासों का उद्देश्य आवास, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कनेक्टिविटी और आजीविका जैसी आवश्यक सेवाओं का सम्पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना है। इस तरह के विविध और विस्तृत इलाके में हर परिवार तक पहुंचने के लिए ऐसी प्रणाली की आवश्यकता होती है जो डेटा-संचालित, कनेक्टेड और उत्तरदायी होती है और यही हम तैयार कर रहे हैं।

इस वर्ष जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन लगभग चार विषयगत सप्ताह के आसपास किया जा रहा है, जो एक साथ जनजातीय विकास के पूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। उद्घाटन का विषय, विकास के एक वाहक के रूप में प्रौद्योगिकी, इस बात को दर्शाता है कि कैसे डिजिटल सिस्टम, विज्ञान और नवाचार भारत के कुछ दूरस्थ समुदायों तक शासन और अवसर का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं। इस दृष्टिकोण के केंद्र में एक सरल सिद्धांत निहित हैः जनजातीय भाषाओं, संस्कृतियों, विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का पर्याप्त सम्मान करते हुए विकास को अंतिम दूरी तक पहुंचना चाहिए।

प्रौद्योगिकी द्वारा जनजातीय गरिमा को बढ़ावाः उद्देश्य के साथ निर्देशित होने पर प्रौद्योगिकी क्या हासिल कर सकती है, इसका सबसे ज्वलंत उदाहरण बिरसा 101 यानी सिकल सेल रोग के लिए भारत की पहली स्वदेशी सीआरआईएसपीआर-आधारित जीन थेरेपी है। सिकल सेल रोग लंबे समय से जनजातीय आबादी के लिए स्वास्थ्य की एक बड़ी चुनौती पेश कर रहा है और भारत अब समानता और पहुंच में निहित उन्नत विज्ञान के साथ उस चुनौती का जवाब दे रहा है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से अनुसंधान, नैदानिक परीक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का समर्थन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। सीएसआईआर-आईजीआईबी में हाल ही में एक संगोष्ठी में वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और सिकल सेल योद्धाओं को एक साथ लाया गया, जो वैज्ञानिक प्रगति और प्रयासों के पीछे की मानवीय तात्कालिकता दोनों को दर्शाता है।

साझा लक्ष्य स्पष्ट हैः एक किफायती, एकमुश्त उपचारात्मक उपचार विकसित करना जो जरूरतमंद हर आदिवासी परिवार तक पहुंच सके। बीआईआरएसए 101 केवल चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि से भी बढ़कर है। यह एक घोषणा है कि भारत का सबसे उन्नत विज्ञान अपने सबसे पात्र समुदायों की सेवा करेगा। यह दृढ़ विश्वास एक पहल से कहीं अधिक गहरा है। ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) और आयुर्जेनोमिक्स जैसे प्रयास दर्शाते हैं कि कैसे आधुनिक तकनीक आदिवासी समुदायों द्वारा लंबे समय से संरक्षित समृद्ध औषधीय और पारिस्थितिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण, मान्यीकरण और संरक्षण में मदद कर सकती है।

समावेशन की यही भावना इस बात को आकार दे रही है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जनजातीय विकास के साथ जोड़ा जा रहा है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में, मंत्रालय ने एक सरल लेकिन दृढ विश्वास पर आधारित एआई-सक्षम प्लेटफार्मों की श्रृंखला प्रस्तुत की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि भाषा एक बाधा नहीं है जिसे दूर किया जाना है, बल्कि एक पहचान है जिसका उत्सव मनाया जाना चाहिए। आदि वाणी, जनजातीय भाषाओं के लिए एआई-संचालित अनुवादक, टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच अनुवाद, ओसीआर और आदिवासी भाषाओं में सरकारी योजना की जानकारी के वितरण का समर्थन करता है, जिससे नागरिकों को घर पर बोलने वाली भाषा में सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ने में सक्षम बनाया जाता है। ट्राइबॉट एक बहुभाषी संवादी एआई सहायक है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को तत्क्षण मार्गदर्शन और शिकायत निपटारे में सहायता प्रदान करके इस प्रयास को और मजबूत करता है। भगवान बिरसा मुंडा सेल और आईआईटी दिल्ली के साथ आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भी इन प्रयासों पर चर्चा की गई, जो जनजातीय भाषाओं के दीर्घकालिक संरक्षण और सुदृढ़ीकरण सहित एआई के सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और समुदाय-केंद्रित इस्तेमाल पर केंद्रित थी। प्रौद्योगिकी सांस्कृतिक अभिकथन और आर्थिक सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली माध्यम भी बन रही है। आगामी ट्राइबएक्स प्लेटफॉर्म का उद्देश्य जनजातीय कलाओं, भाषाओं, पारंपरिक ज्ञान, संगीत, शिल्प और सांस्कृतिक अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम बनाना है। इस प्रयास को पूरा करते हुए, जनजातीय भारत का प्रस्तावित जीआई संभावित कला और शिल्प एटलस भौगोलिक संकेत क्षमता के साथ जनजातीय हस्तशिल्प, वन उत्पादों और पारंपरिक कला रूपों का डिजिटल रूप से मानचित्रण करेगा, जिससे ब्रांडिंग, बाजार पहुंच और जनजातीय बौद्धिक विरासत की पहचान को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पायलट आधार पर पांच राज्यों के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों में इनोवेशन हब की योजना बनाई गई है, जो नवाचार के नेतृत्व वाले आदिवासी उद्यमियों और स्टार्टअप के लिए डिजाइन और उत्पाद विकास सहायता, जीआईएस-आधारित योजना डैशबोर्ड और इनक्यूबेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़कर और आगे बढ़ेंगे।

प्रौद्योगिकी जनजातीय समुदायों तक शासन के तरीके को समान रूप से बदल रही है। पीवीटीजी घरेलू सर्वेक्षणों के लिए पीएम-जनमन के तहत सर्वेक्षण सेतु दूरदराज के क्षेत्रों में कल्याण वितरण की तत्क्षण, जियो-टैग निगरानी को सक्षम बनाता है। 18 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश में संचालित, इस प्लेटफॉर्म ने 8,552 सर्वेक्षणकर्ताओं के समर्थन के साथ पहले ही 3.43 लाख घरेलू प्रस्तुतियां दर्ज की हैं। इस तरह की डेटा-संचालित प्रणालियां यह सुनिश्चित करने में मदद करती हैं कि प्रत्येक पात्र परिवार की पहचान की जाए और उसे आवश्यक सेवाओं से जोड़ा जाए। इसके साथ ही मंत्रालय दावा प्रस्तुतीकरण, जीआईएस-आधारित मानचित्रण, वर्कफ्लो की निगरानी और शिकायत निवारण को सुव्यवस्थित करने के लिए एक एआई-सक्षम वन अधिकार अधिनियम शासन मंच विकसित कर रहा है। साथ में, ये पहल आदिवासी नागरिकों के लिए शासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और सुलभ बना रही हैं।

जनजातीय समुदायः विकसित भारत के वाहकः एक क्षण ऐसा होता है, जो उस सार को पकड़ लेता है, जिसके लिए हम काम कर रहे होते हैं। यह किसी नीतिगत दस्तावेज या मंत्रिस्तरीय समीक्षा में नहीं पाया जाता है। यह तब पाया जाता है जब दूरदराज की बस्ती की एक आदिवासी महिला, तकनीक से, भाषा से सशक्त होती है और उसे इस बात का अहसास होता हो कि उसकी बात को राष्ट्र सुन रहा है। ऐसे में वह अपनी शर्तों पर सरकारी सेवाओं से जुड़ती है और पूरी गरिमा के साथ जवाब प्राप्त करती है। वह क्षण किसी यात्रा का अंत नहीं है। यह भारत की राष्ट्रीय गाथा में एक नए अध्याय की शुरुआत है। जनजातीय गरिमा उत्सव इस संदेश को गर्व के साथ ले जाता है। जनजातीय समुदाय, अपनी दृढता, अपने पारिस्थितिक ज्ञान, अपनी कलात्मक परंपराओं और इस भूमि में अपनी गहरी जड़ों के साथ, विकसित भारत की दहलीज पर इंतजार नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे इसके सबसे शक्तिशाली और प्रेरक वाहकों में शामिल हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी दूरियों को पाटती है, जैसे-जैसे विज्ञान उपचार प्रदान करता है, जैसा कि एआई जंगलों और पहाड़ियों की भाषाओं में बोलता है, और जैसे-जैसे शासन सबसे दूर के गांव के अंतिम परिवार तक पहुंचता है, हम हर दिन भारत के करीब आते हैं जो न केवल व्यापकता के रूप में विकसित है, बल्कि अपनी मानवता में परिपूर्ण है। यह वह विकसित भारत है जिसे हम माननीय प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर एक साथ मिलकर निर्मित कर रहे हैं।

(लेखिका भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव हैं)

आशियाना और उपजाऊ जमीन गंवा देने का एक अंतहीन सिलसिला

कुमार कृष्णन

गंगा नदी का कटाव एक विकराल समस्या है, जो हर साल सैकड़ों किसानों और परिवारों को बेघर कर रही है। बिहार के मुंगेर, खगड़िया, बेगुसराय के साथ साथ की जिलों में यह समस्या है।हर साल गंगा का बढ़ता कटाव किसानों की जमीन निगल रहा है, घरों पर संकट खड़ा कर रहा है और हजारों परिवारों का भविष्य असुरक्षित बना रहा है। गंगा कटाव पीड़ितों का दर्द केवल बाढ़ के समय का नहीं, बल्कि हर साल अपना आशियाना और उपजाऊ जमीन गंवा देने का एक अंतहीन सिलसिला जारी है।हर साल कटाव के कारण सैकड़ों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि और लोगों के पक्के घर गंगा में समा जाते हैं।पीड़ित परिवारों का दर्द अकल्पनीय और गहरा होता है। अपनी मेहनत की कमाई से बनाया गया आशियाना और पुस्तैनी जमीन जब पल भर में नदी के गर्भ में समा जाती है, तो वे पूरी तरह बेघर और भूमिहीन हो जाते हैं। पीड़ित परिवारों के पास न तो घर बचता है और न ही खेती के लिए एक इंच जमीन। वे पूरी तरह से बेघर हो जाते हैं।तक़रीबन 18 साल से कटाव पीड़ित अपने अस्तित्व की रक्षा, खेती बचाने और जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।टीकारामपुर, दक्षिणी रहीमपुर, मध्य रहीमपुर, उत्तरी रहीमपुर और बरारी रघुनाथपुर समेत कई पंचायतों में गंगा का कटाव लगातार बढ़ रहा है। इससे खेती योग्य जमीन तेजी से नदी में समा रही है और कई परिवारों के सामने विस्थापन का खतरा खड़ा हो गया है। समाजसेवी नागेंद्र सिंह त्यागी , राकेश कुमार मंडल और ई. धर्मेंद्र कुमार बताते हैं कि गंगा कटाव अब विकराल रूप धारण कर चुका है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो हजारों परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विकास का एक अलग ही माडल चल पड़ा है। गंगा के किनारे मरीन ड्राइव की बात तो की जाती है, लेकिन गंगा के कटाव और विस्थापन का सवाल हाशिए पर है। तभी तो 18 साल से लगानी लड़ रहे हैं। इस क्षेत्र यानी दियारे की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार खेती है। कटाव पीड़ितों ने अपनी पीड़ा का इजहार गंगा किनारे उपवास कर रखा और गंगा मैया से मुक्ति की गुहार लगाई।

मुंगेर सदर प्रखंड के टीकारामपुर में गंगा कटाव के स्थायी समाधान हेतु हो रहे जन आंदोलन के दूसरे चरण में गंगा पूजन एवं एकदिवसीय उपवास किया गया।

आंदोलन से आरंभिक दौर से जुटे अनिल यादव बताते हैं कि गंगा कटाव रोकने हेतु बंडाल के सवाल पर 2008 से हीं आंदोलन का शुरुआत किया था। जो श्याम किशोर यादव, शिवनंदन यादव, जनार्दन यादव, इंद्रदेव यादव जैसे प्रबुद्ध लोगों के अगुवाई में लड़ा गया। जिसमें 2018 में कुछ सफलता भी मिली। लंबे संघर्ष के बाद बिहार सरकार द्वारा चार लगभग पांच किलोमीटर बंडल 51 करोड़ की लागत से बनाया गया लेकिन विभागीय लापरवाही से बहुत जल्द बंडाल समाप्त भी हो गया। इस क्षेत्र के लोगों का मानना है कि एकजूट अहिंसात्मक संघर्ष से सरकार को झुकाने में अवश्य कामयाब होंगे।अवध बिहारी संस्कृत कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. उमेश प्रसाद सिंह एवं सुभाष चन्द्र जोशी ने आंदोलन पर बैठे महिलाओं एवं पुरुषों में जोश भरते हुए कहा कि मानव जब जोर लगाता है तो पत्थर भी पानी बन जाता है। जिस दिन इस क्षेत्र के सशक्त नारी एवं पुरुष की इच्छाशक्ति मजबूत होगी, उसी दिन सरकार को कटाव पीड़ित परिवार के सामने घुटने टेकना होगा और स्थायी समाधान करना होगा।

इस आंदोलन से जुड़े आंदोलनकारी पूर्व मुखिया पांडव यादव, वर्तमान मुखिया पांडव महतो, योगेंद्र यादव, राकेश यादव, ओमप्रकाश राय, पूर्व जिला परिषद सदस्य कृष्ण कुमार उर्फ मुन्ना यादव, विवेका यादव, मिंटू यादव, पप्पू यादव, शंकर यादव रामपुर पंचायत के मुखिया कृष्णानंद यादव कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संजय पोद्दार, चंद्रशेखर यादव उर्फ़ पप्पू यादव,राजद जिलाध्यक्ष संजय सिंह, साहेब महतो, संजय पोद्दार, देवकीनंदन यादव, उमेश यादव, बबलू यादव, कैलाश यादव, मिंटू यादव, पीयूष यादव, योगेंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, श्रवण कुमार यादव, आकाशदीप यादव, गजेंद्र हिमांशु, पूर्व जिप सदस्य अजीत सरकार, ध्रुव कुमार यादव, रंजीत यादव, सत्तो यादव, पंकज यादव, प्रवीण कुमार, राजीव महतो सहित बड़ी संख्या में सैकड़ो कटाव परिवार की मौजूदगी में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सर्वप्रथम बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलकर अपनी बातें रखेंगे। मुख्यमंत्री से इस क्षेत्र के लोगों को इसलिए उम्मीद है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी कभी इस क्षेत्र यानी खगड़िया के परवत्ता से विधायक थे। दूसरे मुख्यमंत्री का गृहक्षेत्र मुंगेर जिले का तारापुर विधानसभा है और वहीं से विधानसभा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद भी बात नहीं बनी तो हम पांचों पंचायत की जनता अलग-अलग मुंगेर, खगड़िया और साहेबपुर कमाल के विधायक के साथ हीं मुंगेर खगड़िया एवं बेगूसराय के सांसद के घर पर से ही घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन आरंभ करेंगे सरकार हमारी बात नहीं सुनेगी तो सांसद विधायक की तो अवश्य सुनेगी। इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ेंगें।युवा शक्ति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र सिंह त्यागी ने गंगा यह संकल्प दोहराया कि जिस आंदोलन के मशाल को इस क्षेत्र के प्रबुद्ध योद्धाओं ने जलाया उसे बुझाने नहीं देंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुंगेर, खगड़िया एवं बेगूसराय के गंगा कटाव से पीड़ित जनता अपने आपको मिटाकर एक साथ आवाज बुलंद करें तो गंगा कटाव के स्थायी समाधान से कोई ताकत रोक नहीं सकता। अपने संबोधन में भाजपा नेता समाजसेवी ई. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि इस आंदोलन से क्या होगा, वैसे लोगों से स्पष्ट शब्दों में कह देता हूँ कि इस धरती पर कोई ऐसा समस्या नहीं है, जिसका समाधान आंदोलन से संभव नहीं है। खगड़िया में दर्जनों उदाहरण है जो लंबे संघर्ष के बाद अंजाम तक पहुंचा है। रेल, रोड, पुल से लेकर उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान तक सफर संघर्ष के बलबूते तय हुआ है। मुंगेर विधान सभा राजद के प्रत्याशी रहे अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव ने दियारावासियों के आंदोलन का समर्थन करते हुए उपवास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दियारावासियों की यह समस्या बरसों बरस से चली आ रही है। हर वर्ष सांसद, विधायक के द्वारा इस क्षेत्र के लोगों को झूठा आश्वासन देकर ठगकर सिर्फ वोट लेने का काम किया जाता रहा है लेकिन टीकारामपुर की जनता ने इस बार ठान लिया है कि जब तक गंगा कटाव को स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक यह चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा और इस आंदोलन को उन्होंने आगे भी मुस्तैदी और मजबूती से साथ देने का वचन दिया।

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज कॉलेज से जुड़े किसी काम की भागदौड़ रहेगी। आज परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों में आप व्यस्त रहेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में रुतबा बढेगा। आज आप दूसरों के लिए सहायक रहेंगे। आज शाम का समय आप अपने बच्चो के साथ बिताएंगे, साथ ही जीवनसाथी को शॉपिंग पर ले जायेंगे। परिवार में खुशियां आएगी।

वृष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज किसी को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे, जिनको आप अपने बिजनेस में इन्वेस्ट करके बिजनेस बढ़ाएंगे। आज कार्य क्षेत्र में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, फिर भी आप अपना काम अच्छे से पूरा कर लेंगे। आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापार में आपको कम मेहनत के उपरांत भी अच्छा लाभ होगा। कंपनी में कोई इम्पोर्टेन्ट काम की जिम्मेदारी आपको दी जाएगी, जिसको आप पूरी मेहनत से पूरा करेंगे। आपके निजी जीवन की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। दोस्त आज आपसे किसी टॉपिक में मदद मांग सकते हैं। सरकारी नौकरी के लिए दिए गए पेपर के अच्छे परिणाम हासिल होंगे।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस में आपको कोई बड़ा टारगेट मिलेगा। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई करने के तरीके को चेंज करेंगे जिससे उनको बेहतर परिणाम मिलेंगे। आज रास्ते में किसी असहाय की मदद करने का मौका मिलेगा। आप उनकी हर संभव मदद करेंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी बढ़िया कंपनी से जॉब का बड़ा ऑफर आयेगा। आपके गृहस्थ जीवन में खुशियां भरी रहेंगी। बिजनेसमैन आज कोई डील फाइनल करेंगे, साथ ही कुछ नए क्लाइंट से जुड़ेंगे। ऑफिस के काम में सहकर्मियों से मदद मिलेगी। आज आपकी टेंशन ख़त्म होंगी। ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में सिखा रहे लोगों का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपका लोगों से मेल जोल बढ़ेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आपको अपनी वाणी में मधुरता रखने की जरूरत है। अपने व्यवहार को आज नम्र बनाये रखें। उद्योग में आपको अधिक लाभ होगा। दांपत्य जीवन में एकता रहेगी। मित्रों के सहयोग से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनेगी। आपकी माता जी आज आपके लिए कोई बेहतरीन सी डिश बनाएगी, जिसका आप आनंद उठाएंगे। आपके बीच अच्छी बॉन्डिंग बनेगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। कार्यों को पूरा करने में आ रही अड़चनें आज समाप्त होंगी। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आज कोई नया प्रोजेक्ट आपको मिलेगा, जिसको आप पूरी जिम्मेदारी से पूरा करेंगे। आज पारिवारिक सुखों की अनुभूति होगी। रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा। बिजली विभाग के कर्मचारियों का आज दिन अच्छा रहेगा। इस राशि की महिलाओं का बिजनेस आज काफी तरक्की करेगा। लवमेट की गलत फहमियां आज ख़त्म होंगी, रिश्तों में प्यार बढ़ेगा, एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे। कान से जुड़ी समस्या के लिए आज आप किसी अच्छे डॉक्टर को दिखा सकते है, इसके लिए आज का दिन अच्छा है।

धनु राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल रहेगा। आज दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर जाने का मन बनायेंगे। अपने से बड़ों की सलाह से काम करेंगे, वो आपसे काफी प्रभावित होंगे। किसी नए भवन के निर्माण के लिए आज आप अपने भाइयों से विचार- विमर्श करेंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन बढ़िया गुजरने वाला है। आज घरवाले आपकी तरक्की से प्रसन्न होंगे। लाईब्रेरियन की सैलरी में आज इन्क्रीमेंट होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में वृद्धि होगी। आज बच्चों के साथ शाम का डिनर बाहर करेंगे। आज उन्हें खुश होने की वजह देंगे। प्राइवेट कंपनी से जुड़े लोगों का प्रमोशन होने के योग हैं।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई भी निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए। इस राशि के अविवाहितों के लिए चल रही रिश्ते की बात जल्द पक्की हो जाएगी। कंस्ट्रक्शन के कारोबारियों का चल रहा प्रोजेक्ट जल्द पूरा होगा। आज आप नए कार्य में निवेश कर सकते हैं।

मीन राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। वर्किंग पेरेंट्स आज अपने बच्चो के लिए समय निकालेंगे और बच्चों के साथ गेम खेलेंगे। सिंगर्स को आज किसी बड़े एल्बम में गाने का मौका मिल सकता है। आज ऑफिस के काम को पूरा कर लें। इससे आपकी टेंशन कम रहेगी। आज जल्दबाजी में कोई जरूरी सामान आप घर पर भूल सकते हैं, इसलिए अपने कामों के प्रति सचेत रहें।

तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलनः हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी का नया अध्याय

विशेष लेख

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलते परिदृश्य के बीच भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं। 19 मई 2026 को नॉर्वे की राजधानी ह्ह्यद्यश में आयोजित तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन ने इस साझेदारी को हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास के व्यापक आयामों तक विस्तार देने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह सम्मेलन केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जलवायु परिवर्तन, आर्कटिक नीति, समुद्री अर्थव्यवस्था, अनुसंधान, रक्षा उत्पादन और प्रतिभा गतिशीलता जैसे भविष्य-निर्धारक विषयों पर भी केंद्रित रहा। भारत और नॉर्डिक देशों के बीच सहयोग की शुरुआत वर्ष 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन से हुई थी। तब से यह संबंध पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है। नॉर्डिक देशों की उन्नत तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की विशाल बाजार क्षमता, युवा प्रतिभा तथा विनिर्माण शक्ति ने इस सहयोग को नई दिशा दी है।

भारत की आर्कटिक नीति भी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारतीय मानसून, कृषि, जल सुरक्षा और समुद्री तटीय क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसी कारण भारत ने अपनी आर्कटिक नीति भारत और आर्कटिकः सतत विकास के लिए साझेदारी का निर्माण के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास और वैश्विक सहयोग को प्राथमिकता दी है। नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ता सहयोग इस नीति को व्यावहारिक आधार प्रदान करता है।

व्यापार और निवेश में लगातार विस्तारः नॉर्डिक देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। डेनमार्क के साथ भारत का वस्तु व्यापार 2025 में 2 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया, जबकि सेवाओं का व्यापार 4.25 अरब डॉलर तक पहुंचा। डेनमार्क की लगभग 200 कंपनियां भारत में नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरी विकास और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। वहीं भारतीय कंपनियां भी आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही हैं। फिनलैंड के साथ तकनीकी और नवाचार आधारित सहयोग तेजी से बढ़ा है। फिनलैंड की 100 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय निवेश भी लगातार बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीक, 6जी अनुसंधान और स्टार्ट-अप सहयोग इस संबंध का प्रमुख आधार बन रहे हैं। आइसलैंड के साथ भारत ने भूतापीय ऊर्जा, मत्स्य पालन और आर्कटिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। वहीं नॉर्वे के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा और आर्कटिक सहयोग को नई गति मिली है। नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल द्वारा भारतीय पूंजी बाजार में लगभग 28 अरब डॉलर का निवेश इस बढ़ते भरोसे का प्रमाण है। स्वीडन के साथ भारत का व्यापार लगभग 7 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। स्वीडन की 280 से अधिक कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी वहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। रक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल तकनीक दोनों देशों के सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं।

सॉफ्ट पावर बना संबंधों की मजबूती का आधारः भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद, संगीत, नृत्य और भारतीय त्योहारों ने नॉर्डिक समाज में विशेष स्थान बनाया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और नॉर्वे के शहरों में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। नमस्ते स्टॉकहोम जैसे सांस्कृतिक आयोजन हजारों लोगों को आकर्षित करते हैं। इन देशों में बसे भारतीय प्रवासी समुदाय ने भी दोनों क्षेत्रों के बीच मजबूत सांस्कृतिक पुल का कार्य किया है। स्वीडन में लगभग 88 हजार, फिनलैंड में 33 हजार और नॉर्वे में 30 हजार भारतीय समुदाय आर्थिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारीः तृतीय भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम भारत-नॉर्डिक हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार रणनीतिक साझेदारी के रूप में सामने आया। इस पहल के तहत नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, डिजिटल अवसंरचना, सतत विनिर्माण और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। यह साझेदारी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, हरित रोजगार सृजित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके अतिरिक्त जल प्रबंधन और संसाधन पुनर्चक्रण में नॉर्डिक विशेषज्ञता भारत के शहरी और औद्योगिक विकास को टिकाऊ बनाने में सहायक होगी।

अनुसंधान, शिक्षा और तकनीकी सहयोगः एसटीईएम शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार इस साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार हैं। भारत और नॉर्डिक देशों ने अगली पीढ़ी की संचार तकनीकों, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य-तकनीक और ध्रुवीय अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। इससे भारतीय छात्रों और शोधकर्ताओं को वैश्विक अनुसंधान वातावरण में अधिक अवसर मिलेंगे। 6जी तकनीक और डिजिटल अवसंरचना पर संयुक्त अनुसंधान भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होगा। साथ ही, यह तकनीकी हस्तांतरण और नवाचार आधारित उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगा।

समुद्री और रक्षा सहयोग को नई दिशाः सामुद्रिक अर्थव्यवस्था और समुद्री सुरक्षा भी भारत-नॉर्डिक सहयोग का उभरता हुआ क्षेत्र है। समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग, समुद्री संपर्क और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दोनों पक्षों ने सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। रक्षा क्षेत्र में भारत द्वारा 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति ने नॉर्डिक देशों के साथ रक्षा उत्पादन और तकनीकी सहयोग के नए अवसर खोले हैं। इससे घरेलू रक्षा उत्पादन, अनुसंधान और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

नई वैश्विक साझेदारी का उभरता मॉडलः भारत और नॉर्डिक देशों के बीच विकसित हो रही यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर सतत विकास, हरित अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग का एक नया मॉडल बनकर उभर रही है। भारत की विशाल क्षमता और नॉर्डिक देशों की नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था मिलकर भविष्य की ऐसी साझेदारी का निर्माण कर रही हैं, जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी प्रगति साथ-साथ आगे बढ़ते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

एजेंसी, न्यूयॉर्क

11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

वैभव को अपने अनुसार खेलने दें, उसपर बेवजह दबाव न बनायें : गांगुली

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर अभी से दबाव डालना सही नहीं है। साथ ही कहा कि वह अभी बच्चा है और उसे अपने अनुसार खेलने दें। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा है कि वैभव पर किसी तरह का बेवजह का दबाव न बनाये और उसे अपने स्वाभविक अंदाज में खेलने दें। गांगुली ने से बातचीत में प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से विशेष तौर पर अपील की कि वे वैभव पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें। गांगुली ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी केवल 15 साल का बच्चा है और मुझे नहीं लगता

कि वह दबाव के बारे में बहुत अधिक सोचता होगा। आईपीएल में हमने देखा कि वह निडर होकर खेलता है हालांकि भारतीय टीम के लिए खेलना एक बिलकुल अलग अनुभव है, और वह उन विदेशी दौरों पर जा रहा है जहां की पिचें काफी हमारे यहां से काफी अलग होंगी।' गांगुली का मानना है कि वैभव में अपार प्रतिभा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत में उनसे तुरंत चमत्कारी प्रदर्शन की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। उन्होंने जोर देकर कहा, 'उसे बस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने का अवसर दें। भारत में कई अन्य खिलाड़ियों की तरह उसके पास भी जबरदस्त प्रतिभा है, इसलिए उम्मीदों का बोझ डालकर उसे परेशान न करें।' वैभव के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। भारतीय टीम को 26 और 28 जून को आयरलैंड में दो टी20 मैच खेलने हैं, जिसके तुरंत बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। आईपीएल की सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर छक्के उड़ाना अलग बात है पर इंग्लैंड में यूनाइटेड तेज और उछल भरी पिचों पर अपने को साबित करना बिल्कुल अलग चुनौती होगी।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

एजेंसी, लंदन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी। सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे। जब भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बारी आई, तो एक रिपोर्टर ने उनसे

सीधा सवाल किया, क्या यह आपका आखिरी विश्व कप है? आप इस पर क्या कहना चाहेंगी? इस सवाल पर हरमनप्रीत ने उलटे रिपोर्टर से ही पूछ लिया। उन्होंने कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप क्यों? क्या आप चाहते हैं कि मैं सन्यास ले लूं? हरमनप्रीत के इस तीखे जवाब से रिपोर्टर झेंप गया। उसने तुरंत अपनी बात संभालते हुए कहा, नहीं, मैं बस जानना चाह रहा था। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा कि यह आपका आखिरी विश्व कप नहीं है। रिपोर्टर के इस जवाब पर भी हरमनप्रीत ने अपनी बात पूरी करते हुए पूछा, फिर आप ऐसा पूछ क्यों रहे हैं? हरमनप्रीत के इस अंदाज से पता चलता है कि वह बेहद स्पष्टवादी हैं। गौरतलब है कि महिला टी20 विश्व कप 2026 का शुरुआती मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 12 जून को खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 14 जून को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। लीग स्टेज में भारत को कुल पांच मैच खेलने हैं। पाकिस्तान के बाद, भारतीय टीम का अगला मुकाबला 17 जून को नीदरलैंड्स से होगा।

एमपीपीएल में आक्रामक बल्लेबाजी कर रजत पाटीदार ने चयनर्ताओं को दिया करार जवाब

एजेंसी, मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये रजत पाटीदार ने अब मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीपीएल) में आक्रामक बल्लेबाजी कर चयनकर्ताओं को करारा जवाब दिया है। रजत की कप्तानी में आरसीबी ने दूसरे बार

आईपीएल खिताब जीता था। इसके बाद भी उन्हें आयरजैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इस फैसले की कई दिग्गज क्रिकेटरों ने कड़ी आलोचना भी की है। रजत ने अब अपनी उपेक्षा का जवाब अपने बल्ले से दिया है। ग्वालियर चीता की कप्तानी करते हुए रजत ने मालवा स्टालियंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। उनकी टीम ने केवल पांच ओवर के अंदर ही 41 रनों पर 3 विकेट खो दिये। इसके बाद रजत ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 30 गेंदों में 65 रन बनाये।

फ्लोरेंटिनो पेरेज चुनाव जीते, साल 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे

एजेंसी, मैड्रिड

रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट फ्लोरेंटिनो पेरेज को एक बार फिर चुनावों में जीत हासिल हुई। दो दशक के बाद हुए इन चुनावों के बाद अब वह साल 2030 तक के लिए रियल के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। 79 वर्षीय पेरेज को अब अगले चार साल तक क्लब संभालने की जिम्मेदारी मिल गयी है। वहीं क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरेज को कुल वोटों में से 65 फीसदी हासिल किये। उन्हें 21,741 सोसियोस (क्लब के सदस्य-मालिक) के वोट मिले। वहीं

उनके विरोधी 37 वर्षीय रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को केवल 11,814 वोट ही मिले, जो कुल वोटों का 35 फीसदी था। रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने 100 फीसदी इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के बाद घोषणा की कि पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में कुल 33,555 सदस्यों ने इन-पर्सन और मेल-इन बैलेट के जरिए मतदान किया। दोबारा चुने जाने के बाद, पेरेज ने अपनी जीत को एक बहुत अच्छा परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हमने सभी पोलिंग स्टेशन पर जीत हासिल की है और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे बेहतरीन परिणाम दर्ज किया है। फ्लोरेंटिनो पेरेज की इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड में अब बड़े बदलाव की तैयारी है।

बिजनेस

एसएमआर ज्वेल्स की स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

डिजाइनर हेरिटेड ज्वेलरी का काम करने वाली कंपनी एसएमआर ज्वेल्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 128 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 19.57 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 102.95 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण इस शेयर की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। दोपहर 11 बजे तक कंपनी के शेयर 108 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 15.38 प्रतिशत के नुकसान में थे। एसएमआर ज्वेल्स का 63.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 मई से तीन जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें

क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सौ प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 30 प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 51 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 9.80 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ज्वेलरी स्टूडियो का निर्माण करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एसएमआर ज्वेल्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 91 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 3.85 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 10.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 18.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 67.53 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 124.52 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 263.25 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 308.72 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 6.33 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.65 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 8.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 16.54 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारों में लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अपोलो हॉस्पिटल, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज और मैक्स हेल्थकेयर के शेयर 1.05 प्रतिशत से लेकर 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर विप्रो, इंटरग्लोब एवियशन, एटरनल, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और श्रीराम फाइनेंस के शेयर 5.40 प्रतिशत से लेकर 1.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,768 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

सर्राफा बाजार में मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड की धमाकेदार शुरुआत, पहले दिन ही डबल हुआ निवेशकों का पैसा

एजेंसी, नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा करा दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 149 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग मैक्सिमम परमिटेड प्रीमियम लिमिट यानी 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 283.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 297.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गई। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 148.25 रुपये यानी 99.50 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड का 70.03 करोड़ रुपये का आईपीओ एक से तीन जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 315.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 224.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 476.59 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 297.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 47 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल मशीनरी और इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

मेरिट्रॉनिक्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 3.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 8.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 16.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 86.01 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 114.04 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 156.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 15.82 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 18.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 43.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 7.58 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 16.23 करोड़ रुपये हो गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का नेटवर्थ जोरदार उछाल के साथ 52.52 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पूंजी बाजार घरेलू बचत और संपत्ति सृजन का प्रमुख जरिया बन रहे : तुहिन कांत पांडेय

एजेंसी, नई दिल्ली

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि भारत में पूंजी बाजार घरेलू बचत और संपत्ति सृजन का प्रमुख माध्यम बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि निवेश के तरीकों में एक संरचनात्मक बदलाव आया है, जिससे लोग तेजी से बाजार आधारित विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। तुहिन कांत पांडेय ने यहां 'आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज इंडिया इंवेस्टर कॉन्फ्रेंस 2026' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि भारत के कैपिटल मार्केट परिवारों की बचत और संपत्ति बनाने का एक अहम जरिया

बनते जा रहे हैं। पांडेय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में इक्विटी इश्यू 4.5 लाख करोड़ रुपये और कॉर्पोरेट बॉन्ड इश्यू 9 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गए हैं। सेबी के चेयरमैन ने कहा कि पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के नियमों पर उन्होंने संकेत दिया कि इस पर व्यापक विचार-विमर्श जारी है और जल्द ही एक परामर्श पत्र जारी किया जाएगा। हालांकि उन्होंने कोई समयसीमा बताने से इनकार किया। पांडेय ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति केवल ऊंची वृद्धि दर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें अर्थव्यवस्था का औपचारिककरण, बचत का वित्तीयकरण और संस्थानों पर बढ़ता भरोसा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजारों की गहराई बढ़ रही है और अब देश में प्रतिभूति बाजार में लगभग 14.5 करोड़ निवेशक हैं। इनकी संख्या हर साल 20 फीसदी से अधिक की दर से बढ़ रही है। सेबी प्रमुख ने बताया कि म्यूचुअल फंड संपत्ति करीब 12 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 80 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, जबकि पूंजी बाजार में घरेलू भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की कीमत घटी

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,52,870 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

देश में 58 करोड़ जन धन खातों से करोड़ों लोग औपचारिक बैंकिंग से जुड़े : वित्त मंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि 58 करोड़ से ज्यादा जन धन खातों ने करोड़ों भारतीयों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। इस विस्तार ने वित्तीय समावेश को बढ़ावा दिया है। साथ ही सुनिश्चित हुआ है कि कल्याणकारी लाभ और पेंशन बिना किसी लीकेज के सीधे नागरिकों तक पहुंचें।

वित्त मंत्रालय के अनुसार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जन-धन योजना के तहत कल्याणकारी योजनाओं, कम लागत वाले बीमा और पेंशन के लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गरीबी और अभाव के खिलाफ लड़ाई में भारत वैश्विक स्तर पर अलग पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त, 2014 को की गई थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल में से एक है। इस योजना के तहत 56 फीसदी खाताधारक महिलाएं हैं। वहीं, 67 फीसदी खाते ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक जन-धन योजना ने लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने में मदद की है, जिससे उनके जीवन में बदलाव आया है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। मंत्रालय के मुताबिक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिये लाभार्थियों के खातों में लगभग 45 लाख करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए हैं। अब भारत की 94 फीसदी वयस्क आबादी के पास बैंक खाता है। इस योजना के तहत खोले गए बैंक खातों में शून्य 'बैलेंस' की सुविधा, मुफ्त रुपे कार्ड, दुर्घटना बीमा और 'ओवरड्राफ्ट' की सुविधा मिलती है।

फिल्म

अमेजन प्राइम वीडियो पर चमकी सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका की सिस्टम, **बनी दुनिया की नंबर 1 गैर-अंग्रेजी फिल्म**

बावेजा स्टूडियो की नई फिल्म सिस्टम ने अमेजन प्राइम वीडियो पर कमाल कर दिया है। ये फिल्म दुनियाभर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली गैर-अंग्रेजी (नॉन-इंग्लिश) फिल्म बन गई है, जबकि सभी फिल्मों की सूची में ये ग्लोबल चार्ट पर दूसरे नंबर पर है। अश्विनी अय्यर तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे बड़े कलाकार हैं। फिल्म की यह बड़ी कामयाबी भारतीय सिनेमा के लिए गर्व की बात है, क्योंकि अब भारतीय फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। जी5 पर मिसेज और नेटफ्लिक्स पर हक के बाद सिस्टम की इस शानदार सफलता के साथ ही बावेजा स्टूडियो ने लगातार 3 हिट फिल्में देने की हैट्रिक बना ली है। इन सभी फिल्मों की सबसे बड़ी खासियत इनकी अनोखी कहानियां हैं, जो अलग-अलग बैकग्राउंड के दर्शकों को खुद से जोड़ती हैं। इस बड़ी कामयाबी पर लेखक-निर्माता हरमन बावेजा ने कहा कि यै सफलता बेहतरीन कहानी कहने की ताकत का सबसे बड़ा सबूत है। उन्होंने इसका पूरा श्रेय प्राइम वीडियो और अपनी टीम को देते हुए कहा कि उनकी वजह से ही भारतीय कहानियां आज दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंच पा रही हैं।

अभिनेत्री अमृता राव ने सादगी और अभिनय से जीता दर्शकों का दिल

सिनेमा जगत में कई अभिनेत्रियां आईं और गईं, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी सादगी और सहज अभिनय के कारण लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बने रहते हैं। अभिनेत्री अमृता राव भी उन्हीं सितारों में शामिल हैं। खासकर फिल्म 'विवाह में निभाए गए 'पूनम के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अमृता ने अपनी अलग छाप छोड़ी। 7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी। इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आईं। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला।

'पूनम के किरदार ने दिलाई घर-घर में पहचान

कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए। साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस से बॉलीवुड में कदम रखा। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया। वर्ष 2003 में रिलीज हुई 'इश्क विश्क उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया और दोनों की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म की सफलता के बाद अमृता युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं। इसके बाद उन्होंने 'मस्ती, 'मैं हूं ना, 'वाह लाइफ हो तो ऐसी, 'शिखर और 'प्यारे मोहन जैसी फिल्मों में काम किया।

हालांकि, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में 'विवाह का नाम सबसे ऊपर आता है। राजश्री प्रोडक्शंस की इस फिल्म में उन्होंने 'पूनम का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, पारिवारिक संस्कार और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज भी कई लोग उन्हें 'पूनम के नाम से याद करते हैं। अमृता ने केवल हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगू सिनेमा में भी काम किया और अभिनेता महेश बाबू के साथ फिल्म 'अतिथि में नजर आईं। इस फिल्म को भी दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद अमृता ने 'वेलकम टू सज्जनपुर, 'जॉली एलएलबी, 'सिंह साहब द ग्रेट, 'सत्याग्रह और 'ठाकरे जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। निजी जीवन की बात करें तो अमृता ने लंबे समय तक रेडियो जॉकी अनमोल सूद को डेट किया। दोनों ने साल 2016 में बेहद सादगी से शादी की। अमृता एक बेटे की मां हैं, जिसका नाम उन्होंने वीर रखा है। शादी के बाद अमृता ने फिल्मों से कुछ दूरी बना ली और परिवार को प्राथमिकता दी। इन दिनों अमृता राव अपने पति आरजे अनमोल के साथ कपल ऑफ थिंग्स नाम का यूट्यूब चैनल चलाती हैं। इस मंच के जरिए वह अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा करती हैं और कई चर्चित हस्तियों के इंटरव्यू भी करती हैं।

मां के निधन के बाद भारी मन से रेसिंग सर्किट में वापसी की सुपर स्टार ने

मोटर रेसिंग के प्रति अपने जुनून रखने वाले एवं तमिल सुपर स्टार अजीत कुमार इन दिनों निजी जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे हैं। हाल ही में उनकी मां मोहिनी मणि का निधन हो गया था। मां के निधन के समय अजीत विदेश में थे, लेकिन दुखद समाचार मिलते ही वह तुरंत चेन्नई पहुंचे और अंतिम संस्कार की सभी रस्मों में शामिल हुए। इस दौरान तमिल फिल्म उद्योग की कई प्रमुख हस्तियां, जिनमें विजय और तृषा कृष्णन भी शामिल थे, उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचीं। मां के निधन के कुछ दिनों बाद अजीत कुमार ने एक बार फिर अपने पेशेवर दायित्वों की ओर कदम बढ़ाया है। उन्होंने भारी मन से रेसिंग सर्किट में वापसी की, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद उनके प्रशंसकों ने भावनात्मक प्रतिक्रियाएं दीं। एक फैन पेज द्वारा साझा की गई तस्वीरों में अजीत रेसिंग पोशाक में नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में उनके चेहरे पर उदासी साफ दिखाई दे रही है, लेकिन साथ ही वह ट्रैक पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार भी दिख रहे हैं। तस्वीरों के साथ लिखा गया कि भारी मन से काम पर लौटना आसान नहीं होता, लेकिन जिंदगी आगे बढ़ती रहती है। यह संदेश सामने आते ही प्रशंसकों ने अभिनेता के प्रति अपना समर्थन और संवेदनाएं व्यक्त करनी शुरू कर दीं। एक प्रशंसक ने लिखा कि उनकी मां जहां भी होंगी, उन्हें रेस करते हुए देख रही होंगी और उनका हौसला बढ़ा रही होंगी। वहीं दूसरे प्रशंसक ने विश्वास जताया कि अजीत अपनी मां की स्मृति को सम्मान देते हुए आगे बढ़ेंगे और सफलता हासिल करेंगे। कई प्रशंसकों ने उन्हें मजबूत बने रहने की सलाह दी और कहा कि उनकी मां का आशीर्वाद हमेशा उनके साथ रहेगा।

एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की कि मोहिनी मणि ने ऐसे बेटे का पालन-पोषण किया जो गहरे दुख के बावजूद अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना जानता है। मोहिनी मणि के निधन की जानकारी अजीत कुमार और उनके परिवार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर दी थी।

शिल्पा शेट्टी की होगी टीवी पर धमाकेदार वापसी, नए शो मां है ना का ट्रेलर जारी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का छोटे पर्दे से पुराना नाता रहा है। उन्होंने न सिर्फ बिग बॉस 2 को होस्ट किया था, बल्कि कई डांस रियलिटी शो की जज भी रह चुकी हैं। एक बार फिर अभिनेत्री टीवी की दुनिया में अपने नए रियलिटी शो के साथ लौट रही हैं, जिसका नाम मां है ना है। जी5 ने शो का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी, अराजकता,अफरा-तफरी और यादों से भरपूर है। शिल्पा इस शो की मेजबानी करती नजर आएंगी। 10 एपिसोड वाले इस शो में आज की युवा पीढ़ी और उनकी मम्मियों के बीच किचन में खींचा-तानी दिखेगी। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और बेटी टीना आहूजा भी शो का हिस्सा हैं। उनके अलावा, उर्वशी ढोलकिया, मनीषा रानी, तान्या मित्तल और चंदन समेत कई जाने-पहचाने चेहरे नजर आएंगे। यह सितारे अपने बच्चों और माता-पिता के साथ शो में नजर आएंगे। ट्रेलर देखने के बाद फैंस भी शो के लिए उत्साहित हैं। यह 12 जून से जी5 हिंदी पर आएगा।

अनुराग कश्यप-बॉबी देओल की बंदर बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन ढेर?

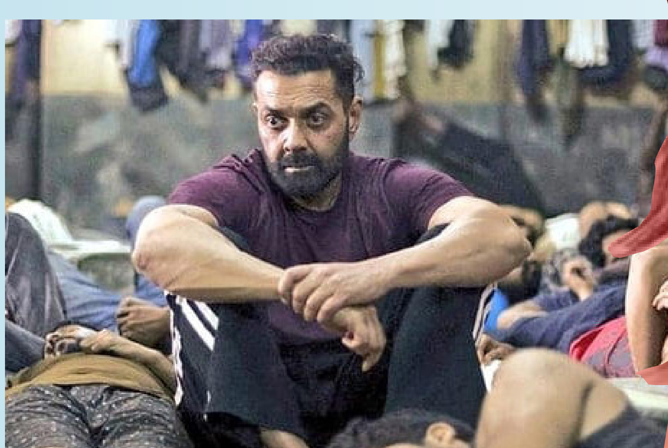

अनुराग कश्यप की नई फिल्म बंदर, जिसमें बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं, बॉक्स ऑफिस पर काफी मुश्किल शुरुआत कर पाई। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 50 लाख नेट का कारोबार किया। यह फिल्म 1,365 शोज में रिलीज हुई थी, लेकिन जेल ड्रामा वाली इस फिल्म को सिर्फ 12.58 प्रतिश्सत की औसत ऑक्यूपेंसी ही मिल पाई। फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में बुरी तरह संघर्ष करती नजर आई। फिल्म की कमाई और दर्शकों की संख्या में दिन ढलने के साथ थोड़ा सुधार देखने को मिला। सुबह के शोज में जहां केवल 3-4 प्रतिशत (3.38 प्रतिशत) सीटें ही भरी थीं, वहीं रात के शोज आते-आते यह आंकड़ा बढ़कर करीब 18 प्रतिशत (18.08 प्रतिशत) तक पहुंच गया। दिल्ली-एनसीआर में फिल्म के सबसे ज्यादा शोज रखे गए थे, लेकिन वहां भी सिनेमाघारों में भीड़ काफी कम रही।

हालांकि, इस फिल्म (बंदर) ने अनुराग कश्यप की पिछली फिल्म निशांची से बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन महामारी (कोविड) से पहले आई उनकी सुपरहिट फिल्मों के मुकाबले यह काफी पीछे रह गई। इसके अलावा, इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई दूसरी बड़ी फिल्म से भी इसे कड़ी टक्कर मिल रही है।

चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं ऋतिक रोशन

लंबे समय से रोमांटिक और आदर्शवादी नायक की भूमिकाओं में नजर आ रहे बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन का कहना है कि अब वह पर्दे पर कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म निर्माताओं की नजर में उनकी छवि अब भी एक अच्छे और नेकदिल नायक की बनी हुई है, जिसके कारण उन्हें उसी तरह की भूमिकाओं के प्रस्ताव अधिक मिलते हैं। सोशल मीडिया पर ऋतिक रोशन ने एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि यदि उन्हें अवसर मिले तो वह वर्ष 2009 में रिलीज हुई फिल्म 'लक बाय चांस' में निभाए गए अपने किरदार जफ्फर जैसे चरित्र को दोबारा पर्दे पर उतारना चाहेंगे। अभिनेता का मानना है कि उस तरह के किरदारों में अभिनय की नई संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलता है और दर्शकों को भी उनका एक अलग रूप देखने को मिल सकता है। अपने पोस्ट में ऋतिक ने लिखा कि हाल ही में उनसे पूछा गया कि वह किस तरह का किरदार निभाना चाहते हैं। इस सवाल पर विचार करते हुए उन्हें 'लक बाय चांस' का अपना किरदार जफ्फर याद आया। उन्होंने कहा कि वह वैसा ही कोई रोल फिर से करना पसंद करेंगे, लेकिन ज्यादातर निर्देशक उन्हें केवल सकारात्मक और अच्छे चरित्रों में ही देखना चाहते हैं। अभिनेता ने हल्के-फुल्के अंदाज में इसे दुखद स्थिति भी बताया। गौरतलब है कि 'लक बाय चांस' में ऋतिक रोशन ने एक सफल फिल्म स्टार जफ्फर का कैमियो किरदार निभाया था। भले ही उनकी भूमिका छोटी थी, लेकिन दर्शकों ने उसे काफी पसंद किया था। फिल्म में फिल्म उद्योग की चमक-दमक और संघर्ष को बेहद वास्तविक तरीके से दिखाया गया था। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर तले बनी इस फिल्म में फरहान अख्तर और कोंकणा सेन शर्मा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों दोनों से सराहना मिली थी। ऋतिक रोशन के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही 'स्टॉर्म' के जरिए ओटीटी मंच पर कदम रखने जा रहे हैं। उनके प्रशंसक इस नई शुरुआत का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कामकाजी दिन को खुशहाल बनाने के लिए अपनाएं ये 5 आदतें, जीवन होगा बेहतर

कामकाजी दिन में कई बार तनाव और थकान का सामना करना पड़ता है। ऐसे में खुद को खुश और ऊर्जावान बनाए रखना जरूरी है। इसके लिए कुछ सरल, लेकिन असरदार आदतें अपनाई जा सकती हैं। इन आदतों से न केवल आपका मूड अच्छा रहेगा, बल्कि आपकी काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने कामकाजी दिन को खुशहाल बना सकते हैं। सुबह की सही शुरुआत दिन को खुशहाल बनाने में अहम भूमिका निभाती है। इसके लिए उठते ही सबसे पहले एक ग्लास पानी पिएं और थोड़े खिंचाव वाले व्यायाम करें। इससे आपका शरीर ताजगी महसूस करेगा और आपको ऊर्जा मिलेगी। इसके बाद हल्का नाश्ता करें, जिसमें फल या जई शामिल हों। इससे आपका पेट भी ठीक रहेगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। इस तरह की शुरुआत से आपका मनोबल भी बढ़ेगा और आप दिनभर सकारात्मक रहेंगे। लगातार काम करते रहने से थकान होती है और मनोबल भी कम होता जाता है। काम के बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लेना जरूरी है। इन ब्रेक्स में थोड़ा टहलें, गहरी सांस लें या हल्का संगीत सुनें। इससे आपका मन ताजा रहेगा और आप फिर से ऊर्जा के साथ काम कर पाएंगे। आराम करने से आपकी काम करने की

क्षमता भी बढ़ेगी और आप अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे। यह आदत आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। सकारात्मक सोच रखना किसी भी स्थिति में मददगार होता है। अपने विचारों को सकारात्मक बनाए रखने की कोशिश करें। अगर कोई समस्या आए तो उसे एक चुनौती के रूप में लें और उसका हल निकालने की सोचें। नकारात्मक विचारों को दूर रखें और खुद को प्रेरित करें। सकारात्मक नजरिया रखने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप मुश्किल हालातों का सामना आसानी से कर पाएंगे। यह आदत आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। संगीत सुनना एक अच्छा तरीका हो सकता है, जिससे आपका मूड बेहतर हो सकता है। अगर संभव हो तो अपने काम के दौरान हल्का संगीत सुनें या फिर लंच ब्रेक में अपनी पसंदीदा गाने सुनें। इससे आपका मनोबल बढ़ेगा और आप अधिक प्रेरित महसूस करेंगे। संगीत सुनने से तनाव कम होता है और मानसिक शांति मिलती है। यह आदत आपके दिन को खुशहाल बनाने में मदद करेगी और आपको ऊर्जावान बनाए रखेगी। सेहतमंद भोजन लेना न केवल आपके शरीर, बल्कि आपके मनोबल के लिए भी फायदेमंद होता है। ज्यादा तले-भुने खाने से बचें और फल-सब्जियों को अपनी रोजाना की डाइट का हिस्सा बनाएं। इसके अलावा हाइड्रेटेड रहें और समय-समय पर छोटे-छोटे नाश्ते लेते रहें। इन सरल, लेकिन असरदार आदतों को अपनाकर आप अपने कामकाजी दिन को खुशहाल बना सकते हैं और जीवन में संतुलन बनाए रख सकते हैं। इन्हें अपनाने से आप हर वक्त चिड़चिड़े नहीं रहेंगे।

BJP robbing people through repeated LPG price hikes: Haryana ex-CM Bhupinder Hooda

New Delhi, Agency: Former Haryana Chief Minister and Leader of Opposition Bhupinder Singh Hooda stated that the BJP government was continuously burdening the public by repeatedly increasing gas prices.

"The hike of Rs 42 in commercial LPG cylinder prices earlier, followed by the recent increase of Rs 29 in domestic cylinder prices, is like rubbing salt into the wound. Domestic cylinder prices have risen by Rs 89 in just three months. Similarly, commercial cylinder rates have increased by more than Rs 1,500. There is also rampant profiteering on diesel, petrol, CNG and smaller cylinders," he said.

Hooda remarked that the government continues to raise the prices of petroleum products even as crude oil prices in the international market are declining. He added that compared to the Congress regime, global crude oil prices are nearly half of what they were, yet consumers are being charged significantly higher rates.

"Prices are high because the BJP government is collecting nearly twice the amount of tax compared to the Congress era. The VAT on fuel in the state, which stood at 9 per cent during the Congress government's tenure, has been increased to 18 per cent by the BJP," he said. Hooda said rising fuel prices were leading to an increase in the cost of all commodities.

"Everything from food items to agricultural input costs is becoming more expensive. In April 2026, wholesale inflation (WPI) reached 8.3 per cent, while the government is celebrating a 7 per cent GDP growth rate. However, if GDP growth is adjusted for inflation, the economy has effectively contracted rather than expanded," he claimed.

"Today, the common public is so distressed by inflation that they are being forced to cut back on daily expenses. The cost of a basic meal has risen to such an extent that people are even compromising on the quality and nutritional value of their food," he added.

Birsa Munda's descendants allege neglect, apathy by govt authorities

New Delhi, Agency: Birsa Munda, the celebrated tribal leader and freedom fighter, spearheaded a major 19th-century uprising against British colonial rule. He mobilised indigenous communities to fight for their land rights, culture and self-determination, leaving behind a lasting legacy in Indian history.

The Narendra Modi government has designated November 15, Birsa Munda's birth anniversary, as 'Janjatiya Gaurav Divas' to honour the contributions of India's tribal communities to the freedom struggle and cultural heritage.

Miles away, in Jharkhand's Khunti district, lives the tribal icon's great-great-grandson Kanhu Munda. A post-graduate working at the local sub-divisional magistrate's office, he says few care about how the family of the tribal icon makes ends meet.

"Political leaders cutting across party lines have capitalised on the name of Birsa Munda without doing anything concrete about his family. Our ancestors fought for the freedom of this beautiful land, but most of us are landless. Our children do not go to good schools. We do not have pucca houses," he told The Tribune in an exclusive interaction. Kanhu lost his elder brother Mangal Munda in a car accident in 2024. "We had to rush him to Ranchi because our village did not have better medical facilities. We lost him during treatment," he said.

He said President Droupadi Murmu, Prime Minister Modi and several central and state leaders had visited his house in Ulihatu village.

"For long, we have been requesting both central and state dispensations for better school and medical facilities in the village. Even in this 21st century, we are centuries behind the mainstream society. At least, our next generation should move forward with better education, health and opportunities," he argued. Kanhu said several stadiums, universities, schools and colleges had been named after Birsa Munda, but the icon's own descendants remained out of these institutions.

"The government should at least give us some kind of royalty, or financial aid to our children to study. We are the last surviving family belonging to Bhagwan Birsa Munda, and expect little more consideration from the authorities," he said.

Prime Minister Modi inaugurated the Bhagwan Birsa Munda Museum and Memorial Park in Ranchi district in 2021. The Rs 35-crore project features a 25-foot statue and details the struggles of several tribal leaders against British rule.

The tribal icon's great-great-grandson, however, said the government should instead work on creating supporting infrastructure around the museum, including hotels, food joints, better roads and connectivity, to attract tourists.

Diwan Sonakhan, a descendant of Chhattisgarh's first tribal freedom fighter Shaheed Veer Narayan Singh, echoed similar sentiments of neglect, apathy and penury.

"Look at the present condition of tribals in the country. They are losing their lands, forests, customs and above all self-respect. The government only remembers us during birth and death anniversaries of tribal icons.

I was denied hotel accommodation in Maharashtra over 'Kashmiri identity', alleges BJP's J&K neta

Srinagar,Agency: BJP's media in-charge in J&K, Sajid Yousuf Shah, has alleged that he was denied accommodation at a hotel in Maharashtra's Chhatrapati Sambhajinagar on Saturday because of his Kashmiri identity. "An hour after I checked into a hotel in Aurangabad, I was asked to leave due to concerns linked to my Kashmiri identity. The owner was courteous and candid. He acknowledged that the decision was unfair and hurtful but said he was following instructions," Shah wrote on social media on Saturday evening.

"For decades, countless Kashmiris have worked to strengthen the bonds between Jammu & Kashmir and the rest of India. Most Indians have welcomed us with warmth and respect. Yet incidents like this show that stereotypes and apprehensions persist," he said.

"My faith in India and its people remains unshaken. I hope we continue moving toward a future where no citizen is judged by their region, faith, or identity, but by their character and conduct. That is the India we must strive for," Shah said.

NCP(SP) national spokesperson Anish Gawande described the incident as "incredibly unfortunate."

"Maharashtra is built upon the ideals of Shivaji, Shahu Maharaj, Mahatma Phule and Dr BR Ambedkar. I am sorry that you, as a guest in our state, were treated this way," Gawande said, urging the chief minister to intervene.

NTA releases city intimation slip for aspirants

New Delhi, Agency: The National Testing Agency (NTA) has released the city intimation slip for the National Eligibility-cum-Entrance Test Undergraduate (NEET-UG) 2026, which will be conducted on June 21.

Candidates who have registered for the NEET-UG 2026 can now log in to official portal to view and download the city intimation slip. The document is aimed at helping students make necessary travel and accommodation arrangements well before the examination.

The NTA has clarified that the city intimation slip is not the admit card and should not be treated as permission to enter the examination hall. The slip only informs candidates about the city in which their examination centre has been allotted.

ECL Drawing Contest Inspires Students on Environmental Awareness

Sanctoria: In an effort to encourage creativity and strengthen environmental consciousness among young students, the Environment Department of ECL organised a Drawing Competition for schoolchildren at Sanctoria. The event witnessed enthusiastic participation from students across different age groups, who showcased their artistic talents while conveying important messages on environmental conservation. The competition was conducted in three categories: Category I (up to Class III), Category II (Class IV to VIII), and Category III (Class IX to XII).

Students presented a variety of drawings highlighting themes such as nature conservation, pollution control, afforestation, and sustainable living. The programme was graced by Mrityunjay Kumar, General Manager (Environment & Forest), whose presence motivated the participants and added significance to the event.

The artwork was evaluated by Sarvesh Kumar, General Manager (E&M), who praised the students for their creativity and thoughtful depiction of environmental issues.

Addressing the gathering, Sarvesh Kumar urged children and parents to adopt eco-friendly practices and actively contribute towards protecting the environment. He emphasized that developing environmental responsibility at a young age is essential for building a sustainable future.

Following the evaluation, winners in all three categories were awarded prizes and certificates. In Category I, Nadirah Arif secured first place, followed by Kirtijit and Ahana Roy. In Category II, Supratim Lai won the top prize, while Karunya and Supriyo Das secured second and third positions respectively. In Category III, Sriparna Nayak emerged as the winner, followed by Ayushi Sen and Shresth Dev Singh Patel.

The successful event reaffirmed ECL's commitment to promoting environmental awareness and inspiring the younger generation to become responsible stewards of nature through creativity and education.

Man accused of molesting woman injured in police encounter

Lucknow: An encounter between police and a criminal took place last night in the Ghazipur police station area of Lucknow district in Uttar Pradesh. The criminal was injured by a police bullet. The accused was immediately sent to Balrampur Hospital for treatment. The auto-rickshaw driver and his companion, along with an illegal pistol and live ammunition, were recovered from the accused's possession.

The Ghazipur police station issued a press release stating that on June 6th, an auto-rickshaw driver and his companion molested a woman in the Ghazipur police station area. When she resisted, the accused assaulted her and attempted to strangle her to death. When the woman raised an alarm, the accused reportedly threw her onto the road near Sector 25 on the Ring Road. Considering the seriousness of the incident, a case was immediately registered at the Ghazipur police station under relevant sections. The local police station and the Lucknow East Zone crime team were jointly deployed to investigate the incident.

Based on CCTV footage, technical evidence, and other clues, the police team arrested Sumit Kashyap, the accused involved in the incident.

During interrogation, he revealed the involvement of his accomplice, Sunny, also known as Shani Kashyap, in the incident, following which continuous efforts were made to arrest him.

BJP to kick off Punjab poll outreach with Nitin Nabin, Union ministers' visits

New Delhi, Agency: The BJP is set to roll out its Punjab election campaign from this month, with several high-profile visits by party leaders lined up.

Top sources confirmed to The Tribune that BJP president Nitin Nabin will pay his maiden visit to Punjab in June, tentatively around the end of the month. He is expected to visit Amritsar and begin the tour by paying obeisance at the Golden Temple and the Durgiana Mandir. Ahead of Nabin's visit, the party is lining up tours of two senior Union ministers to Punjab.

The first to arrive will be Union Urban Affairs and Housing Minister Manohar Lal Khattar. "A June 13 visit is being finalised for ML Khattar, who will come to Amritsar," sources said.

Union Law Minister Arjun Ram Meghwal is also expected to visit the state within the next few days. Following these ministerial visits, the BJP plans to draft several other senior ministers for its Punjab election outreach campaign. The plan follows meetings held by BJP Punjab chief Kewal Singh Dhillon with several Union ministers, during which he urged a proactive role by the Central Government in addressing what he termed as "Punjab's multiple challenges".

Aravali safeguard NCZ set to stay in NCR Plan 2041 after years of debate

New Delhi, Agency: The NCR Regional Plan 2041 will finally retain "Natural Conservation Zone" (NCZ), a key safeguard for the protection of the Aravali across the region, as per the agenda circulated for the NCR Planning Board's (NCRPB) meeting among participating states, scheduled for June 16.

The move follows nearly five years of deliberations, including repeated attempts by Haryana to replace NCZ with "Natural Zone" and to substitute references to the Aravali with the more generic term "hills".

The agenda circulated last week states that the "Conservation Zone (NCZ) of RP-2021 will be retained in RP-2041". "All statutes, rules, notifications and orders of MoEF&CC, other central govt ministries/departments, and orders of Supreme Court and high courts issued from time to time, pertaining to NCZ, will have to be strictly followed by the NCR constituents," it stated.

When the Draft Regional Plan (RP), released in Dec 2021, proposed replacing NCZ with "Natural Zone", it triggered widespread opposition. Majority of the 4,519 objections and suggestions received were against the proposed change.

Subsequently, PMO and a Group of Ministers led by Union home minister Amit Shah directed housing and urban affairs ministry to retain the NCZ provision, which exists in RP-2021 and not reduce NCR's geographical area, a development first reported by Media on July 12, 2024. As per RP-2021, it is mandatory for states to protect areas falling under NCZ, which include environmentally sensitive areas, extension of Aravali ridge, forest areas, rivers and tributaries, major lakes and water bodies in NCR.

The norm puts severe restrictions on any non-forest activities in these areas and construction of only up to 0.5% of the area in case of regional recreational activities and that too with prior permission of Centre.

While retaining this provision will almost protect the Aravali and other eco-sensitive zones in NCR, the agenda mentions that extent of natural features under NCZ, will be identified, ascertained and delineated by NCR participating states in accordance with the definition, using ground truthing and revenue records. Experts said this is an area of concern.

"Despite keeping the new draft RP-2041 on hold for so many years, NCRPB has still not undertaken a satellite-based ground truthing as required by the National Green Tribunal in its 2021 order. They have also not made an existing land use map, an essential planning requirement that would provide real-time satellite-based clarity about extent of construction and NCZ area loss," independent forest analyst and senior fellow at CEDAR Chetan Agarwal said. Instead, NCRPB has "abdicated its responsibility and allowed states to continue to do a so-called 'ground-truthing' of NCZ which states such as Haryana have been doing since 2014 with no finality in sight," he said.

The agenda proposes that NCZ may be promoted and conserved with the help of innovative non-financial instruments such as Special Development Rights that may be made transferable and saleable to incentivise private and public land owners of such areas. It adds that Transferable and Saleable Development Rights for NCZ (NCZ-TDR) may be provided by respective NCR states.